20 दिसंबर, संयुक्तांक (अक्टूबर-दिसंबर) 2023 * वर्ष 32, पृष्ठ संख्या 60, अंक-10-12

राजस्थान सुजस

लोकतंत्र का मान
जनाकांक्षाओं का सम्मान

आपणो अग्रणी राजस्थान

नमन

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 16 दिसंबर को भारत-पाक युद्ध विजय दिवस के अवसर पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने वर्ष 1971 में भारत-पाक युद्ध में अपने अदम्य साहस, पराक्रम, वीरता और शौर्य का परिचय देने वाले जवानों की शहादत को नमन करते हुए पुष्पचक्र अर्पित किया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान का मासिक

वर्ष : 32 अंक 10-12

अक्टूबर-दिसंबर, संयुक्तांक 2023

प्रधान संपादक
पुरुषोत्तम शर्मा

संपादक
अलका सक्सेना

सह-संपादक
डॉ. रजनीश शर्मा

उप-संपादक
आशाराम खटीक

सहायक संपादक
महेश पारीक

आवरण छाया
अमित सारस्वत

राजस्थान सुजस में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने एवं आंकड़े परिवर्तनशील हैं। आवश्यक नहीं कि शासन उनसे सहमत हो। सुजस में प्रकाशित सामग्री का विभाग किसी भी रूप में उपयोग कर सकेगा।

ग्राफिक डिजाइनिंग
प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, जयपुर

संपर्क

संपादक

राजस्थान सुजस (मासिक)
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
सचिवालय, जयपुर-302005
मो. 94136-24352, 80940-88884

e-mail
editorsujas@gmail.com
publication.dipr@rajasthan.gov.in

Website
www.dipr.rajasthan.gov.in

इस अंक में

नमन	2
संपादकीय	4
प्रदेश में नई सरकार का गठन	5
लखपति दीदी सम्मेलन	8
मेरी कहानी-मेरी जुबानी	15
दिल्ली डायरी	16
विधानसभा चुनाव-2023	18
श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में राजस्थान का योगदान	22
पूंछरी का लौठा मंदिर	24
चंद्रभागा मेला	25
पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ड्रामाटक	26
कुंभलगढ़ महोत्सव	28
बूंदी उत्सव	32
16वीं राजस्थान विधानसभा	33
कवि प्रदीप	56
दड़ा महोत्सव	58

राजस्थान सुजस के आगामी अंक के लिए मौलिक, अप्रकाशित सामग्री भिजवायें।
कृपया अपने आलेख एवं फोटोग्राफ सम्पादक को e-mail : editorsujas@gmail.com पर अथवा डाक से भेजें।

संपादकीय

नया साल, नई उमंगें

उत्साह, उमंगों और आशाओं की ऊष्मरश्मियों के साथ संभावनाओं से भरा नववर्ष 2024 देश और समस्त राजस्थानवासियों के स्वागत को आतुर है। प्रदेश में हाल ही में चुनाव संपन्न हुए हैं। लोकतंत्र के पर्व राजस्थान में 16वीं विधानसभा के लिए मतदान को प्रोत्साहित करने के लिए कई नई पहल की गईं। पहली बार वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मिली। चुनाव में सूचना-तकनीकी का भरपूर उपयोग करते हुए कई नवाचार किए गए।

यह गर्व का विषय है कि हमारा देश भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा तथा जनता के लिए शासन है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें सभी व्यक्तियों को समान अधिकार होता है और लोकतंत्र में चुनाव ही आम जनता की ताकत भी है और लोकतंत्र का सौन्दर्य भी। हाल में शांति, सद्भाव और भयमुक्त वातावरण में संपन्न हुए निर्भीक व निष्पक्ष चुनावों में मिले जनादेश के बाद नवगठित सरकार ने विकसित राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में काम का शुभारंभ कर दिया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आपणो अग्रणी राजस्थान को ध्येय मानकर प्रदेश सरकार आप सभी के सहयोग से राजस्थान को विकास पथ पर ले जाने की ओर अग्रसर है।

राजस्थान सुजस का अक्टूबर-दिसंबर 2023 का यह संयुक्तांक सुधि पाठकों को नववर्ष की अनेक स्वस्ति कामनाओं के साथ सादर प्रस्तुत है। नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

(पुरुषोत्तम शर्मा)
प्रधान संपादक

प्रदेश में नई सरकार का गठन

श्री भजनलाल शर्मा ने ली प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने 15 दिसंबर को रामनिवास बाग में आयोजित भव्य समारोह में श्री भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सभी ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन करते हुए उन्हें बधाई दी।

राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर श्रीमती दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री कैलाश चौधरी, सांसद श्री जेपी नड्डा, श्री सी.पी. जोशी, श्री रामचरण बोहरा, श्री अरूण सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे एवं श्री अशोक गहलोत, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, नगालैंड के उप मुख्यमंत्री श्री यानथुंगो पैतन सहित वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने शपथ ग्रहण से संबंधित कार्यवाही का संचालन किया। शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित विधायक और अपार जनसमूह उपस्थित था।

मुख्यमंत्री ने सीएमओ में संभाला पदभार

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा 15 दिसंबर को शपथ ग्रहण करने के बाद शाम को शासन सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना करते हुए पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे, सांसद श्री सी.पी. जोशी, श्री रामचरण बोहरा, विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी, महंत बालमुकुंदाचार्य, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, पूर्व मंत्री श्री अरूण चतुर्वेदी, पूर्व विधायक श्री अशोक परनामी, पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष श्री सतीश पूनिया उपस्थित रहे।

राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 16 दिसंबर को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल श्री कलराज मिश्र से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्यपाल से यह उनकी पहली शिष्टाचार भेंट थी।

450 रुपए में गैस सिलेंडर

रसोई खर्च का भार होगा कम, महिलाओं को धुएं से मिलेगी मुक्ति

■ अमन दीप
जनसंपर्क अधिकारी

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने नए साल की सौगात देते हुए 1 जनवरी, 2024 से प्रदेश की महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की घोषणा की है। सब्सिडी राशि लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने 27 दिसंबर को टोंक के लांबा हरिसिंह में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 1 जनवरी, 2024 से रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के तहत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और चयनित बीपीएल परिवारों को मात्र 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिल सकेगा। योजना के तहत लाभार्थी साल भर में कुल 12 सिलेंडर ले सकेंगे। इससे प्रदेश की गरीब महिलाओं को रसोई खर्च का भार कम होने से राहत मिलेगी एवं धुएं से भी मुक्ति मिलेगी। इस हेतु लाभार्थी को विकसित भारत यात्रा शिविरों में पंजीयन करवाना होगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लगे शिविर तथा भारत सरकार की 17 योजनाओं की विभागवार लगी स्टॉल्स का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को 51 लाख रुपए का चैक भेंट किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत सॉइल हेल्थ कार्ड वितरित किए।

महिला सुरक्षा एवं उत्थान प्राथमिकता

मुख्यमंत्री के अनुसार महिला सुरक्षा और उनका आर्थिक उत्थान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। राज्य में महिलाओं को समुचित सुरक्षा उपलब्ध करायी

जाएगी और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केंद्र सरकार ने 2 करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना का शुभारंभ किया है। इससे अनेक महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कार्य कर रही है। प्रदेश में हर स्तर पर भ्रष्टाचार की जवाबदेही तय होगी। पेपरलीक कर प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लखपति दीदी सम्मेलन

राज्य की 11.24 लाख महिलाओं को मिलेगा योजना का लाभ

■ देवेंद्र प्रताप सिंह
जनसंपर्क अधिकारी

समृद्ध महिलाओं से ही समाज, प्रदेश व देश की खुशहाली संभव है। महिला समृद्धि के लिए किए जाने वाले कार्यों से देश और प्रदेश समृद्ध और सशक्त होता है। देश और प्रदेश की सरकार महिला सशक्तीकरण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। केंद्र सरकार ने नारी शक्ति के महत्व को समझते हुए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना की शुरुआत की है। 23 दिसंबर को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की उपस्थिति में जैसलमेर के शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में लखपति दीदी सम्मेलन का आयोजन हुआ।

राजस्थान ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में हुए सम्मेलन को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 150 करोड़ रुपए के चैक भी वितरित किए।

इस योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूह से जुड़ी देश की 2 करोड़ महिलाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना के अंतर्गत राजस्थान की 11.24 लाख महिलाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 3 लाख महिलाओं को इस श्रेणी में लाया जा चुका है। राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने का

संकल्प लिया है। इसे साकार करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ महिला सशक्तीकरण एसएचजी मिशन शुरू किया जाएगा। इसमें 2 लाख नई महिला सदस्यों को एसएचजी से जोड़ने का लक्ष्य है और उन्हें सरल ऋण सुविधाएं व मार्केट लिंकेज की सुविधा प्रदान करने की कार्ययोजना बनाई जा रही।

एसएचजी में काम करने वाली लगभग 28 लाख महिलाओं को महिला सशक्तीकरण क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से न्यूनतम दर पर 1 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराने के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा।

हर जिले में स्थापित होगा महिला थाना

महिला सुरक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के मुताबिक इसी क्रम में प्रदेश के हर जिले में एक महिला थाना स्थापित होगा। हर पुलिस थाने में महिला डेस्क की स्थापना होगी तथा सभी प्रमुख शहरों में एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन भी होगा।

प्रधानमंत्री ने 16 दिसंबर से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने और नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की है।

इस यात्रा के माध्यम से हर पात्र परिवार और व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। यात्रा की मॉनिटरिंग के लिए ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक टीम गठित की गई हैं।

महिला उद्यमियों से संवाद

इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल श्री कलराज मिश्र तथा मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनसे जुड़ी महिला उद्यमियों से संवाद किया। उन्होंने सम्मेलन में दुग्ध उत्पाद, लकड़ी उत्पाद, ब्लू पॉटरी, मीनाकारी, कोटा डोरिया, वाटर शेड, उद्यम संवर्धन, डिजिटल फाइनेंस एवं वित्तीय समावेश, कशीदाकारी, वन धन विकास योजना, महिला किसान उत्पादक संगठन, सेनेटरी पैड उत्पादन इकाई, मार्बल उत्पाद, जूट उत्पाद, दरी और कालीन, बाजरे के उत्पाद, राली उत्पाद, पट्टू आर्ट, टैराकोटा की स्टॉल का अवलोकन कर महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

विकसित भारत

संकल्प यात्रा

विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए संकल्पित राजस्थान

अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की राष्ट्रव्यापी मुहिम

26 जनवरी तक सूबे के हर गांव-ढाणी तक गूंजेगा विकसित भारत का नारा

■ विनय सोमपुरा
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

आजादी की 100वीं वर्षगांठ पर वर्ष 2047 तक भारतवर्ष के हर नागरिक को सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक रूप से सक्षम बना देश को विश्व पटल पर विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की मंशा से केंद्र सरकार की ओर से प्रारंभ की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा की राष्ट्रव्यापी मुहिम से राजस्थान भी जुड़ गया है। भारत सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने, योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रदेश के हर गांव-ढाणी और शहर-कस्बों तक पहुंच रही है।

सूबे में गूंज रहा विकसित भारत का संकल्प

विकसित भारत संकल्प यात्रा लॉन्च होने के समय विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के कारण राजस्थान उसका हिस्सा नहीं बन पाया था। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 16 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान सहित मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में यात्रा का श्रीगणेश किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय समारोह में यात्रा का शुभारंभ किया। प्रदेश के नवगठित सहित सभी जिलों से भी इसकी भव्य शुरुआत की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने सभा में उपस्थित जनसमूह को वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने के संकल्प की शपथ दिलाई।

यात्रा के लिए राजस्थान को 280 आईईसी वैन मिली हैं, जिन्हें जिलेवार आवंटित किया गया। ये आईईसी वैन निर्धारित रूटचार्ट के अनुसार प्रदेश के हर शहर, गांव तक पहुंच कर आमजन को केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ रही हैं, साथ ही विकसित भारत के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 18 दिसंबर को जयपुर के सांगानेर स्टेडियम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के शहरी शिविर का शुभारंभ किया। प्रदेश के 276 निकायों में प्रत्येक 25 हजार की आबादी पर शिविर लगेंगे। इनके माध्यम से प्रदेशवासियों को जागरूक और हर पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, लाभार्थियों

और राज्य कार्मिकों का आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें। पात्र वंचितों को जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें संबल प्रदान कराएं। प्रधानमंत्री ने स्वनिधि योजना के जरिए सहायता राशि उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी चढ़ाई है। इससे युवाओं को आगे बढ़ने के सुअवसर मिलेंगे। पात्र व्यक्तियों के योजनाओं से वंचित रहने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है।

श्री शर्मा ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लगे शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद करने के साथ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को चेक वितरित किए।

गांव-वार्ड तक पहुंच रहे 280 सुसज्जित रथ

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए भारत सरकार की ओर से 280 सुसज्जित रथ भिजवाए गए हैं जो 17 दिसंबर, 2023 से 26 जनवरी, 2024 तक प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों तक पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री ने आमजन, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, युवा और विद्यार्थियों सहित सभी प्रदेशवासियों को इस यात्रा में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया है। योजनाओं की क्रियान्विति के लिए प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की गई है। यात्रा के तहत जागरूकता वैन के संबंधित वार्ड अथवा ग्राम पंचायत में पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हो रहा है। संबंधित स्थल पर शिविर आयोजित हो रहे हैं। आईईसी वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री का संदेश सुनाते हुए लोगों को संकल्प दिलाया जा रहा है। यात्रा के संबंध में शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन के साथ ही 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' के तहत सफल लाभार्थियों के अनुभव साझा किए जा रहे हैं, ताकि अन्य लोग भी उनसे प्रेरित होकर योजनाओं से जुड़ें। सतत कृषि गतिविधियों के प्रदर्शन, ड्रॉन प्रदर्शन, प्रगतिशील किसानों से प्राकृतिक कृषि व मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर चर्चा की जा रही है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में धरती कहे पुकार के तहत स्वच्छता गीत व स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों व स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां यात्रा के बहुआयामी स्वरूप को उद्घाटित कर रही हैं। कार्यक्रम स्थल पर केंद्र सरकार की योजनाओं से जुड़ी प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में भी लोग बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वहीं उपलब्धि प्राप्त करने वाली महिलाओं, स्थानीय खिलाड़ियों आदि का सम्मान किए जाने से लोगों का आत्मविश्वास द्विगुणित हो रहा हैं।

यह है विकसित भारत संकल्प यात्रा

देश तभी सशक्त हो सकता है, जब उसमें रहने वाला प्रत्येक नागरिक सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त हो। इसी ध्येय को लेकर भारत सरकार ने कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई। आजादी के अमृत काल में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए

प्रतिबद्ध है कि सभी प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। जून, 2022 में धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों का राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। उस दौरान प्रमुख योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे पात्र लाभार्थियों तो पहुंचाने का लक्ष्य विचार-विमर्श का मुख्य बिंदु रहा। भारत सरकार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की भागीदारी के साथ स्वच्छता सुविधाएं, आवश्यक

वित्तीय सेवाएं, एलपीजी कनेक्शन तक पहुंच, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए मिशन के तौर पर कार्य किए जाने की आवश्यकता महसूस करते हुए सहमति व्यक्त की गई। इसी आधार पर विकसित भारत संकल्प यात्रा जैसे राष्ट्रव्यापी अभियान ने मूर्तरूप लिया। इसके तहत आमजन तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए आउटरीच गतिविधियों के साथ ही पात्र लोगों के पंजीयन, लाभ वितरण की विस्तृत कार्ययोजना तैयार हुई। अभियान का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक और विशेषकर वंचित जनजाति समुदाय तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करना है, इसलिए इसके आगाज के लिए भी जनजाति समाज के प्रेरणास्रोत बिरसा मुंडा की जयंती यानी जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर, 2023 को चुना गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्य

इस यात्रा का उद्देश्य है कि देश का हर नागरिक आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त, समर्थ एवं समृद्ध बने, सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचे तथा हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले ताकि उसका जीवन स्तर बेहतर बन सके। यह यात्रा भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभों के बारे में जन-जन को अवगत कराएगी। साथ ही, योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र लोगों को इससे जुड़ने के लिए जागरूक भी किया जाएगा। यात्रा के दौरान ही संभावित लाभार्थियों की पहचान भी की जाएगी। कुछ योजनाओं का लाभ ग्राम पंचायतों में आयोजित मेलों में भी दिया जाएगा। सभी विभाग अपनी योजनाओं के प्रचार-प्रसार, वंचितों की पहचान व लाभ से जोड़ने की प्रक्रिया को राज्य, जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर समन्वय तथा जवाबदेही के साथ सुनिश्चित करेंगे। इसके प्रमुख उद्देश्य ये तय किए गए हैं :

- वंचित लोगों तक पहुंचना, उन कमजोर लोगों तक पहुंचना, जो विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हैं लेकिन अब तक लाभान्वित नहीं हुए हैं।
- योजनाओं के बारे में जानकारी का प्रसार और जागरूकता पैदा करना, नागरिकों से सीखना, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत
- व्यक्तिगत कहानियों/अनुभव साझा करते हुए अन्य लोगों को प्रेरित करना, संभावित लाभार्थियों का नामांकन करना।

3,200 से अधिक जागरूकता वैन

विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य देश भर में कुल 5,000 से अधिक शहरों तथा 6 लाख 50 हजार से अधिक गांवों तक पहुंचना है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से कुल 3,200 से अधिक जागरूकता वैन आवंटित की गई हैं।

जन-जन हो रहा जागरूक

यात्रा के तहत आवंटित जागरूकता वाहन शहरी क्षेत्र के हर वार्ड तथा ग्रामीण क्षेत्र में हर ग्राम पंचायत तक पहुंच रहा है। वाहन में विभिन्न भारतीय भाषाओं में ऑडियो विजुअल, ब्रोशर, पैम्फलेट, बुकलेट आदि उपलब्ध हैं, जिनका आमजन

को वितरण कर जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा आईटी पोर्टल और एक ऐप भी विकसित किया गया है। यात्रा के प्रभावी समन्वय और कार्यान्वयन के लिए जमीनी स्तर पर इस अभियान के संपूर्ण संगठन के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों में विस्तृत योजना तैयार की गई है। विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए समन्वय समितियों का गठन किया है। वहीं केंद्र, राज्य, जिला और खंड स्तर तक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा समन्वय के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय ग्रामीण और महत्वपूर्ण अनुसूचित जनजाति आबादी वाले क्षेत्रों के लिए नोडल मंत्रालय हैं। शहरी क्षेत्रों के लिए, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय नोडल मंत्रालय हैं। वहीं जल शक्ति अभियान और आकांक्षी जिला कार्यक्रम में सुविधा और समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसी प्रकार, भारत सरकार ने उन राज्यों के राज्य और जिला प्रशासन के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रभावी समन्वय के लिए राज्यों/जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं।

इन योजनाओं का मिल रहा लाभ

अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान भारत, गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, पीएम आवास, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल-जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, जनधन, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम व नैनो फर्टिलाइजर योजना के बारे में आमजन को जागरूक कर पात्र लोगों का पंजीयन

किया जा रहा है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में पीएम स्वनिधि, विश्वकर्मा, उज्ज्वला, मुद्रा लोन, स्टार्टअप इंडिया-स्टैंडअप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, अमृत योजना, उजाला योजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफास्ट्रक्चर, खेलो इंडिया, आरसीएस-उड़ान तथा वंदे भारत ट्रेन व अमृत भारत स्टेशन योजना की जानकारी देने के साथ ही पात्र लोगों को जोड़ा जा रहा है। इसके अतिरिक्त जनजाति बहुल जिलों में एनीमिया निवारण मिशन, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों से जोड़ना, छात्रवृत्ति योजनाएं, वनाधिकार पट्टे-व्यक्तिगत एवं सामुदायिक तथा वन धन विकास केंद्र पर विशेष फोकस किया जा रहा है। शिविर स्थल पर चिकित्सा जांच शिविर के माध्यम से लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। टीबी स्क्रीनिंग व सिकल सेल स्क्रीनिंग की सुविधा भी मौके पर ही प्रदान की जा रही है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

मेरी कहानी-मेरी जुबानी

लाभार्थियों ने साझा किए अपने अनुभव

■ नवधा परदेशी
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 16 दिसंबर को राजस्थान में विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने इस यात्रा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना और अंत्योदय की भावना से समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति का उत्थान सुनिश्चित करना है। एलईडी वैन के माध्यम से यह यात्रा सभी जिलों के गांव और शहर जाएगी। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया जा रहा है और गांवों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों को वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में अपना योगदान देने व आत्मनिर्भर बनने की संकल्प शपथ भी दिलाई जा रही है।

कार्यक्रम में प्रतापगढ़ जिले में लगे शिविरों के दौरान 'मेरी कहानी-मेरी जुबानी' के माध्यम से योजनाओं का लाभ ले चुके लोगों ने योजनाओं से उनके जीवन में आए बदलावों को साझा किया।

हर घर जल-जल जीवन मिशन योजना

अब नल ती पाणी आवे

"पहले घणी कठिनाई ती दन काड्या, घणो दुःख देख्यो...अब नल ती पाणी आवे" स्थानीय भाषा में यह कथन देवू बाई ने कहे जब उन्हें हर घर जल-जल जीवन मिशन योजना के तहत मिले लाभ के बारे में पूछा गया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले बहुत कठिनाई से दिन निकाले, एक किलोमीटर दूर पैदल जाकर कुएं से पानी लाना पड़ता था। कुएं के आस-पास बहुत भीड़ रहती थी क्योंकि अन्य महिलाएं भी पानी भरने आया करती थीं, जिससे धक्का-मुक्की होती थी। इस कारण उन्हें बहुत ज्यादा परेशानी होती थी। वे बोलती हैं कि अब उनकी उम्र भी हो गई है, उन्हें बहुत शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब उनके घर नल लग गया है। अब वह काफी खुश है। उनकी तरह उनके साथ की बहुत सी महिलाओं को भी जल कनेक्शन मिला है।

जल जीवन मिशन का लक्ष्य देश के हर घर को पाइप जल कनेक्शन उपलब्ध कराना है। महिलाएं परिवार और समाज का आधार स्तंभ बन कर पूरे परिवार की देखभाल करती हैं। भारत सरकार का उद्देश्य महिलाओं और वंचितों का कल्याण रहा है। देवू बाई की तरह ही बहुत सी महिलाओं को जल कनेक्शन देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने का प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण

भारत सरकार की सहायता की बदौलत अब पक्का मकान है

विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य समावेशी विकास हासिल करने के लिए नागरिकों और सरकार के सहयोगात्मक प्रयासों को मजबूत करना है। पीपलखूंट पंचायत समिति की ग्राम पंचायत कुपड़ा निवासी अशोक कुमार इस बात की मिसाल है कि किस प्रकार सरकार की योजनाओं से वंचितों को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा सकता है। अशोक 42 साल से कुपड़ा ग्राम पंचायत में टूटी झोंपड़ी में दुकान लगा कर निवास कर रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उनका मकान बना। अब वे अपने पक्के मकान में निवास कर रहे हैं और उन्हें पेंशन भी मिल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अरनोद उपखंड की ग्राम पंचायत बेड़मा में रहने वाले लाभार्थी राहुल चौधरी का लाभ मिलने से पूर्व कच्चा मकान था जिसमें उन्हें काफी समस्या होती थी। अब उनका परिवार बहुत खुश है क्योंकि भारत सरकार की सहायता के बदौलत उनका पक्का मकान है।

दिल्ली डायरी

■ डॉ. शिवराम मीना
जनसंपर्क अधिकारी

मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों की पद ग्रहण पश्चात पहली दिल्ली यात्रा

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभाध्यक्ष सहित केंद्रीय मंत्रियों से शिष्टाचार भेंट

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिड़ला सहित केंद्रीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उनके साथ राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी और श्री प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति से भेंट

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी और श्री प्रेमचंद बैरवा ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से 17 दिसंबर को राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। राष्ट्रपति से यह 15 मिनट चली मुलाकात शिष्टाचार भेंट थी।

उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात

श्री भजनलाल शर्मा ने 18 दिसंबर को उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 21 दिसंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट में उनके साथ राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी और श्री प्रेमचंद बैरवा भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की प्रधानमंत्री से मुलाकात उनके संसद भवन स्थित कार्यालय में हुई। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री को गुलदस्ते भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के उपरांत प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृहमंत्री से यह उनकी प्रथम शिष्टाचार भेंट है।

लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट

मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने 18 दिसंबर को लोकसभाध्यक्ष से श्री ओम बिड़ला से उनके अकबर रोड स्थित राजकीय निवास पर मुलाकात की।

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात

राज्य के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया

कुमारी और श्री प्रेमचंद बैरवा ने केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से 17 दिसंबर को उनके अकबर रोड स्थित राजकीय निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री को गुलदस्ते भेंट किए।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से भेंट

लोकसभाध्यक्ष से मुलाकात के उपरांत मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा सहित दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके राजकीय निवास पर मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद बैरवा को शॉल ओढ़ाकर और उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी को साड़ी भेंट कर उनका सम्मान किया।

भारत की आर्थिक उन्नति में सहायक है जीएसटी कानून: राज्यसभा सांसद श्री घनश्याम तिवाड़ी

राजस्थान से राज्यसभा सांसद श्री घनश्याम तिवाड़ी ने शीतकालीन सत्र में केंद्रीय सेवा एवं वस्तु कर विधेयक 2023 के समर्थन में बोलते हुए कहा कि जीएसटी कानून भारत की आर्थिक उन्नति में सहायक है। उन्होंने कहा कि इस बिल के लागू होने से पहले देश के हर नागरिक को विभिन्न प्रकार के अलग-अलग टैक्स देने पड़ते थे, जिससे भ्रष्टाचार होने के उतने ही अधिक रास्ते होते थे।

श्री तिवाड़ी ने कहा कि इस बिल को सभी राज्य सरकारों की सहमति से लागू किए जाने के बाद अब केवल एक जीएसटी लगता है और राज्य सरकारों के हिस्से की राशि केंद्र सरकार द्वारा एकमुश्त दे दी जाती है, जिससे राज्यों की आर्थिक स्थिति को संबल मिलता है। तिवाड़ी ने कहा कि इस बिल में तत्समय कुछ कमियां रह गई थीं जिनको दूर किए जाने के लिए केंद्रीय सेवा एवं वस्तु कर विधेयक 2023 को सदन मे पेश किया गया है।

इसके साथ ही तिवाड़ी द्वारा ग्रामीण विकास मंत्रालय से प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित पूछे गए प्रश्न के जवाब में मंत्री द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार द्वारा 2.95 करोड़ आवास का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है, जिनमें से 2.79 करोड़ लाभार्थियों को पहली किस्त और 2.61 करोड़ लाभार्थियों को दूसरी किस्त जारी की जा चुकी है साथ ही राजस्थान में लगभग 18 लाख आवासों को मंजूरी दी जा चुकी है।

चुनाव नवाचारों की नजीर बना राजस्थान

■ चंद्रशेखर पारीक
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

राजस्थान में 16वीं विधानसभा के लिए 25 नवंबर, 2023 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान संपन्न हुआ। 199 विधानसभा सीटों के लिए 51,890 केंद्रों पर हुए मतदान में सभी वर्गों के मतदाताओं ने उत्साह से भागीदारी करते हुए कुल 1,862 प्रत्याशियों में से 199 जनप्रतिनिधियों का चयन किया। श्रीगंगानगर जिले की करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित किया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित-पारदर्शी रही और राज्य में किसी भी स्थान पर पुनर्मतदान नहीं हुआ।

सी-विजिल एप बना तीसरी आंख

इस बार विधानसभा चुनाव के लिए सूचना-तकनीकी का भरपूर उपयोग करते हुए मोबाइल एप्लीकेशन के रूप में कई नवाचार किए। इनमें सी-विजिल एप प्रमुख रहा, जिस पर चुनाव आचार संहिता से जुड़ी किसी भी शिकायत के मिलने पर 100 मिनट से भी कम समय में उस पर कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता की पहचान को गोपनीय रखा गया। सी विजिल के कारण धन-बल के प्रयोग पर लगाम लगाई जा सकी।

पहली बार मिली होम वोटिंग की सुविधा

विधानसभा चुनाव-2023 में पहली बार वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा दी गई। यह सुविधा 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के मतदाताओं को मिली। इस सुविधा का लाभ लेते हुए राज्य में 61,021 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। होम वोटिंग की सुविधा से कई दिव्यांग मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर पाए।

मतदान के बाद मिला डिजिटल सर्टिफिकेट

राज्य में शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रोत्साहित करते हुए निर्वाचन विभाग में मतदाताओं से डिजिटल सर्टिफिकेट जारी कर एक नई पहल की। युवाओं में सेल्फी का बूथ का क्रेज नजर आया और सीईओ राजस्थान की वेबसाइट पर अमिट स्याही लगी अंगुली दिखाते हुए 34,000 से अधिक मतदाताओं ने अपनी सेल्फी अपलोड की, जिन्हें डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तिथि में बदलाव किया गया। अबूझ सावे और विवाह कार्यक्रमों को देखते हुए पूर्व निर्धारित 23 नवंबर, 2023 के स्थान पर चुनाव तिथि 25 नवंबर, 2023 निर्धारित की गई। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 30 अक्टूबर को अधिसूचना जारी हुई। 6 नवंबर को नामांकन भरने, 7 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच और 9 नवंबर को नाम वापसी की अंतिम तिथि तय हुई। मतगणना 3 दिसंबर को किए जाने के बाद 5 दिसंबर को चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।

पहली बार अनिवार्य सेवाओं की श्रेणी में मीडियाकर्मी

विधानसभा चुनाव 2023 में सर्विस वोटर के अलावा आठ विभागों के कार्मिकों को पोस्टल बैलेट से मत डालने का विकल्प दिया गया। इनमें डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस कर्मचारी, ऊर्जा विभाग में इलेक्ट्रीशियन, लाइनमैन, पीएचईडी में पंप ऑपरेटर, टर्नर, दुग्ध समितियों के कर्मचारी, रोडवेज ड्राइवर-कंडक्टर आदि शामिल थे। राजस्थान में पहली बार मीडिया कर्मियों को भी चुनाव पूर्व मतदान की सुविधा दी गई।

आपराधिक रिकॉर्ड की तीन बार जानकारी

इस बार विधानसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशी और राजनीतिक दलों ने अपने आपराधिक रिकॉर्ड, यदि कोई था, को लेकर तीन बार समाचार पत्र और टीवी चैनलों में इस बारे में जानकारी प्रकाशित और प्रसारित की। साथ ही, नो योर कैंडिडेट मोबाइल एप के जरिए भारत निर्वाचन आयोग ने आमजन तक उम्मीदवारों की जानकारी सहज सुलभ रूप से पहुंचाने का नवाचार किया।

दुर्गम और दूरदराज के क्षेत्र में बनाए मतदान केंद्र

विधानसभा चुनाव में सुगम और समावेशी मतदान सुनिश्चित करने के लिए इस बार दुर्गम और दूरदराज के कम आबादी वाले क्षेत्रों में भी मतदान केंद्र बनाए गए। उदाहरण के लिए बाड़मेर जिले में जहां एक परिवार के लिए भी मतदान केंद्र बनाया गया, वहीं कांटल का पार गांव में 50 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र बनाया गया। जैसलमेर का मेनाउ मतदान केंद्र भी 50 मतदाताओं के लिए बना। धौलपुर के बसेड़ी में काली तीर मतदान केंद्र हो या सिरोही के आबू-पिंडवाड़ा क्षेत्र में 4,921 फीट की ऊंचाई पर स्थित शेरगांव मतदान केंद्र, इन सुदूर-दुर्गम क्षेत्रों में स्थापित किए गए मतदान केंद्रों पर स्थानीय मतदाता पहली बार सुगमता के साथ वोट डाल सके। यहां पर पोलिंग पार्टी को दुर्गम पहाड़ी रास्ते पर कई किलोमीटर पैदल चलकर जाना पड़ा।

जागरूकता में सभी ने निभाई भागीदारी

राज्य निर्वाचन विभाग की ओर से शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए कई नवाचार किए गए, जिनमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर वर्ग और श्रेणी के लोगों ने अपनी भागीदारी निभाई। स्वीप गतिविधियों के तहत जहां स्कूलों में अभिभावकों के लिए संदेश अभियान चलाया गया। वहीं, रैली, पोस्टर, मेहंदी और रंगोली जैसी गतिविधियों के जरिए अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। अभियान में तेजी लाते हुए मतदान तिथि से एक सप्ताह पहले सतरंगी सप्ताह कार्यक्रम चलाया गया जिसमें हर दिन एक नई गतिविधि के जरिए मतदाता जागरूकता का प्रसार किया गया।

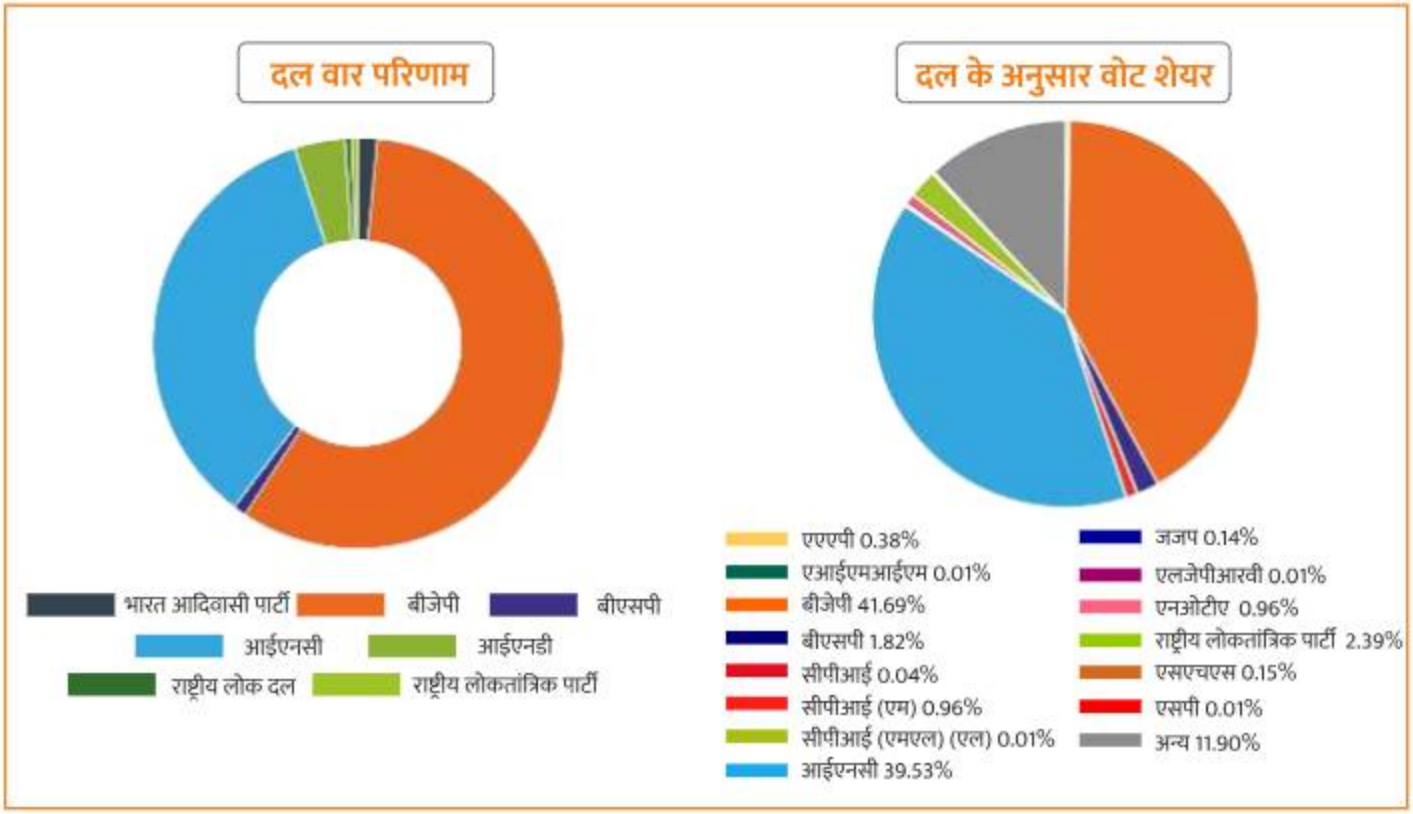

पहली बार क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची

विधानसभा चुनाव-2023 में मतदाताओं की सुविधा के लिए पहली बार क्यूआर कोड वाली मतदाता सूचना पर्ची और वोटर गाइड का वितरण किया गया। इस क्यूआर कोड को स्कैन करने पर मतदान केंद्र और विधानसभा क्षेत्र की जानकारी मिली। सूचना पर्ची पर भी मतदान केंद्र क्रमांक, राज्य और जिले का हेल्पलाइन नंबर अंकित था। इसके साथ एक पॉकेट वोटर गाइड भी वितरित की गई। इसमें मतदान प्रक्रिया और मतदान संबंधी सावधानियों का विवरण था।

युवा, महिला और दिव्यांग संचालित बूथ

प्रदेश में महिला, दिव्यांग और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए चुनाव आयोग ने इस बार अनोखी पहल की। सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिला कार्मिक मतदान केंद्र, दिव्यांग कार्मिक मतदान केंद्र और युवा कार्मिक प्रबंधित मतदान केंद्र बनाए गए। हर विधानसभा क्षेत्र में एक दिव्यांग मतदान केंद्र, 8-8 महिला और युवा मतदान केंद्र बनाए गए। प्रत्येक बूथ पर दिव्यांग और वृद्ध मतदाताओं की सुविधा के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था थी। सभी मतदान बूथ भूतल पर ही बनाए गए और केंद्रों पर रैंप की सुविधा भी दी गई।

26,000 से अधिक केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग

विधानसभा चुनाव में 199 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 51,507 मतदान केंद्र बनाए गए। इनमें से करीब 50 प्रतिशत संवेदनशील मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की गई। इसके अलावा 366 सहायक मतदान केंद्र, उन मतदान केंद्रों में स्थापित किए गए, जहां पर मतदाताओं की संख्या 1,450 से अधिक थी। इसका परिणाम यह हुआ कि राज्य में सुगम और समावेशी चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई और किसी भी बूथ पर पुनर्मतदान की जरूरत नहीं पड़ी।

चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच हुआ मतदान

प्रदेश में 2,74,846 कर्मियों ने पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न करवाया। इनमें 7,960 महिला और 796 दिव्यांग मतदान कार्मिकों ने भी कमान संभाली। स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए 6,287 माइक्रोऑब्जर्वर और 6,247 सेक्टर अधिकारी नियुक्त रहे। इस बार चुनाव में 1,02,290 सुरक्षाकर्मी तैनात रहे।

मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी

गत चुनाव की अपेक्षा इस बार मतदान प्रतिशत में भी 0.73 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई और यह 75.45 फीसदी दर्ज हुआ। इस बार ईवीएम से डाले गए वोटों में पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं ने अधिक मतदान किया। पुरुषों ने जहां 74.53 प्रतिशत मतदान किया, वहीं महिलाओं ने 74.72 प्रतिशत मतदान किया।

जब्ती का आंकड़ा 700 करोड़ रुपए से अधिक

इस बार चुनाव में धन-बल का दुरुपयोग रोकने के लिए किए गए भारत निर्वाचन आयोग के प्रयासों के चलते चुनाव खर्च निगरानी और जब्ती का नया रिकॉर्ड बना। विधानसभा चुनाव-2023 में आचार संहिता के दौरान प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों की ओर से 703 करोड़ रुपए मूल्य की नकदी और अवैध सामग्री जप्त

16वीं विधानसभा के रोचक तथ्य

सबसे युवा सदस्य

शिव (बाड़मेर) विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित श्री रविंद्र सिंह भाटी विधानसभा में सबसे युवा सदस्य हैं। भाटी की आयु 25 वर्ष है।

सबसे कम आयु की महिला विधायक

कामां से निर्वाचित सुश्री नौक्षम चौधरी सबसे कम आयु की महिला विधायक हैं। उनकी आयु 33 वर्ष है।

सबसे वरिष्ठ सदस्य

बूंदी विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री हरिमोहन शर्मा और किशनगढ़बास से निर्वाचित श्री दीपचंद खैरिया विधानसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं। इन दोनों की आयु 83 वर्ष है।

0.96 प्रतिशत ने चुना नोटा

199 सीटों पर हुए मतदान में 3,82,066 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना, जो कुल मतदान का 0.96 प्रतिशत है।

झाड़ोल में सबसे ज्यादा नोटा

इस बार के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की झाड़ोल विधानसभा सीट पर सर्वाधिक 6,488 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना।

की गई। इसमें गत चुनाव के मुकाबले 10 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जयपुर जिला 110.47 करोड़ रुपए की जब्ती के साथ प्रदेश में सबसे अव्वल रहा। वहीं, दूसरे स्थान पर अलवर 38.97 करोड़ रुपए और जोधपुर 34.33 करोड़ रुपए के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

गांवों में दिखा जोश, शहर भी नहीं रहे पीछे

इस बार के चुनाव में ग्रामीण मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। कुल 4,00,00,477 ग्रामीण मतदाताओं में से 3,02,73,445 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत 75.68 प्रतिशत रहा।

वहीं, शहरी मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़कर लोकतांत्रिक भागीदारी निभाई। कुल 1,25,47,698 मतदाताओं में से 89,37,953 मतदाताओं में मतदान किया। वोटिंग का प्रतिशत 71.23 प्रतिशत रहा।

प्रदेश में ईवीएम से कुल 3,92,11,399 वोट पड़े, इनमें 1,88,27,294 महिलाएं और 2,03,83,757 पुरुषों के अलावा 348 वोट ट्रांसजेंडर मतदाताओं ने डाले।

राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे

3 दिसंबर को मतगणना के बाद भारतीय जनता पार्टी को 115, इंडियन नेशनल कांग्रेस को 69, भारत आदिवासी पार्टी को 3, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 1, बहुजन समाज पार्टी को 2, राष्ट्रीय लोकदल को 1 और निर्दलीयों को 8 सीटों पर विजय प्राप्त हुई।

कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान

प्रदेश में सबसे अधिक 88.13 प्रतिशत मतदान कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुआ। वहीं, पोकरण विधानसभा क्षेत्र में 87.79 प्रतिशत और तिजारा में 86.11 फीसदी मतदान हुआ।

आहोर विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम मतदान

प्रदेश में सबसे कम मतदान आहोर विधानसभा क्षेत्र में 61.24 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं, मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में 61.59 प्रतिशत और सुमेरपुर में 61.44 प्रतिशत मतदान किया गया।

सदन में इस बार 20 महिला सदस्य

विधानसभा चुनाव में लगभग 10 प्रतिशत विजयी प्रत्याशी महिलाएं हैं। नवनिर्वाचित 20 महिला विधायकों में भारतीय जनता पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस की 9-9 विधायक हैं। वहीं, दो निर्दलीय महिला विधायक निर्वाचित हुई हैं। चार विधानसभा क्षेत्रों में महिला प्रतिनिधियों का मुकाबला महिलाओं से था। वहीं, अन्य 16 विधानसभा क्षेत्रों में उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी पुरुष प्रत्याशी थे। राज्य में सबसे बड़ी जीत भी महिला प्रत्याशी दिया कुमारी को प्राप्त हुई, जहां उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 71,368 मतों से शिकस्त दी।

40 वर्ष से कम आयु के 28 विधायक

राज्य विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नवनिर्वाचित 199 विधायकों में से 28 विधायकों की आयु 40 वर्ष या इससे कम है। नई विधानसभा में बाड़मेर की शिव विधानसभा से निर्वाचित 25 वर्षीय रविंद्र सिंह भाटी सबसे कम उम्र के विधायक हैं। वहीं, महिलाओं में कामां विधानसभा सीट से चुनी गईं 33 वर्षीय श्रीमती नौक्षम चौधरी सबसे कम उम्र की विधायक हैं।

सर्वाधिक मतों से जीत

विद्याधरनगर (जयपुर) विधानसभा क्षेत्र से विजयी श्रीमती दिया कुमारी ने सर्वाधिक मतों (71,365) से जीत हासिल की है।

सबसे कम मतों के अंतर से जीत

कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र से श्री हंसराज पटेल ने सबसे कम मतों (321) के अंतर से जीत हासिल की।

72 विधायक पहली बार चुनकर आए

विधानसभा में 72 विधायक पहली बार चुनकर आए हैं। इनमें भाजपा के 46, कांग्रेस के 19 और अन्य 7 विधायक हैं।

महिला सदस्य

विधानसभा में 20 महिला सदस्य चुनकर आई हैं। इनमें 9 भाजपा, 9 कांग्रेस और 2 निर्दलीय विजयी हुई हैं।

40 वर्ष से कम आयु के सदस्य

विधानसभा में 28 नवनिर्वाचित सदस्यों की आयु 40 वर्ष या इससे कम है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण में राजस्थान का योगदान

■ डॉ. गोरधन लाल शर्मा
राजस्थान प्रशासनिक सेवा

राजस्थान भक्ति, शौर्य, त्याग और तपस्या की भूमि है। आज जब अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, राजस्थान मंदिर के पत्थरों से लेकर कारीगर और हवन में गऊ घी की आहुति तक में अपनी महती भूमिका निभा रहा है। भीलवाड़ा के बिजोलिया के सेंडस्टोन का उपयोग मंदिर के बाहर पार्किंग, वॉक-वे और परिक्रमा क्षेत्र में किया जा रहा है। श्रीराम मंदिर परिसर में करीब 5.5 लाख वर्ग फीट एरिया में बिजोलिया का सेंडस्टोन लगाया जाएगा। इसी प्रकार मकराना के विश्व प्रसिद्ध घढ़वा नक्काशीदार संगमरमर का उपयोग स्तंभ और गर्भगृह में किया जा रहा है। जोधपुर से 11 रथों में रखे 108 कलशों में 600 किलोग्राम देसी गाय का घी और हवन सामग्री अयोध्या पहुंचाई गई है।

राम मंदिर के डिजाइनर राजस्थान मूल के चंद्रकांत सोमपुरा

चंद्रकांत भाई सोमपुरा ने 1989 में मंदिर का पूरा खाका तैयार किया था। मंदिर का डिजाइन नागर शैली का है, जिसकी लंबाई 270 फीट है और चौड़ाई 145 फीट है, वहीं ऊंचाई 145 फीट है। मंदिर में एक गर्भगृह, चौकी, सीता मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, भरत मंदिर और गणेश मंदिर के साथ चार द्वार हैं।

सोमपुरा सलात दक्षिणी राजस्थान और गुजरात का एक पत्थर-श्रमिक समुदाय है। यह समुदाय विशेष रूप से मेवाड़ क्षेत्र में पाया जाता है। इनकी उत्पत्ति सोमनाथ मंदिर के लिए प्रसिद्ध प्रभास पाटन से मानी जाती है। सलात शब्द शिलावत से लिया गया है, जो मंदिर वास्तुकार के लिए पुराना शब्द था।

सोमपुरा सलात ऐसे लोगों का समूह हैं, जिन्होंने कलात्मक और चिनाई के काम को एक व्यवसाय के रूप में अपनाया। वे चिनाई कार्यों, कलात्मक नक्काशी और मूर्तिकला के विशेषज्ञ हैं। उनके द्वारा निर्मित उल्लेखनीय वास्तुकला में हवामहल, वाधवन के पास गुजरात सल्तनत के लिए बनाया गया शाही महल और स्वतंत्रता के बाद बनाया गया भव्य सोमनाथ मंदिर शामिल है। यह मूल रूप से एक शैव समुदाय है और आशापुरा माता को अपनी कुल देवी के रूप में पूजता है।

सोमपुरा सलात समुदाय भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों में भी मंदिर वास्तुकला का कार्य करते हैं। वे प्रसाद मंजरी जैसे 15वीं शताब्दी में लिखे गए ग्रंथों का अनुसरण करते हैं। प्रसाद मंजरी राणा रायमल के शासनकाल के दौरान मंडन और नाथ जी भाइयों द्वारा लिखा गया था। पिछली पांच शताब्दियों के दौरान, वे गुजरात और दक्षिणी राजस्थान में कई जैन मंदिरों के निर्माण और जीर्णोद्धार में शामिल रहे हैं। विश्व का सबसे बड़ा राम मंदिर और बिहार के चंपारण में प्रस्तावित अंगकोरवाट की प्रतिकृति का डिजाइन सोमपुरा समुदाय द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने अहमदाबाद में हुथीसिंग वाडी में कीर्तिस्तंभ, नैरोबी, केन्या में ओसवाल जैन मंदिर, यूके के लीसेस्टर में जैन सेंटर, आत्म वल्लभ स्मारक, दिल्ली और उत्तर-पश्चिम मुंबई में गोराई में ग्लोबल विपश्यना पैगोडा, नई दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर को भी डिजाइन किया।

राम मंदिर निर्माण में राजस्थान के बंशी पहाड़पुर का गुलाबी पत्थर

राजस्थानी पत्थरों से अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाया जा रहा है। राम मंदिर निर्माण में 4.70 लाख घन फीट राजस्थान का गुलाबी पत्थर (Pink stone) लग रहा है। यह गुलाबी पत्थर भरतपुर के बंसी पहाड़पुर में खनन कर पिंडवाड़ा और आबू रोड में तराशा जाता है। वहां से अयोध्या भेजा जाता है। देश के कई अक्षरधाम मंदिरों, संसद भवन, लालकिला और इस्कॉन के ज्यादातर मंदिरों में यही पत्थर

लगा हुआ है। भरतपुर के गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, जयपुर के विधानसभा भवन सहित विदेशों में अनेक विशाल मंदिरों के निर्माण में इसी पत्थर को लगाया गया है। बंशी पहाड़पुर इलाके का पत्थर अपनी मजबूती और सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसकी उम्र 5 हजार साल तक बताई जाती है।

श्रीराम स्तंभ का निर्माण आबूरोड सिरोही में

अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का राजस्थान से अटूट रिश्ता स्थापित हो गया है। अब सिरोही के आबूरोड में श्रीराम स्तंभ का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या से रामेश्वरम तक श्रीराम के वन गमन मार्ग पर श्रीराम स्तंभ लगाए जाएंगे। इस मार्ग पर जहां-जहां रघुवर के चरण पड़े वहां श्रीराम स्तंभ लगाए जाएंगे। श्रीराम स्तंभ से श्रीराम की महिमा का बखान किया जाएगा। साथ ही इन स्थानों की महिमा बताई जाएगी। करीब 2,500 किलोमीटर लंबे वन गमन मार्ग पर 290 स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां श्रीराम स्तंभ लगाए जाएंगे।

श्रीराम स्तंभ पर कलाकृतियों के साथ रामायण के श्लोक होंगे। इसका हिंदी और अंग्रेजी सहित चार भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा। श्रीराम स्तंभ पर स्थान का नाम संदर्भ भौगोलिक महत्व भी अंकित होगा। सेंडस्टोन से निर्मित पहला श्रीराम स्तंभ अयोध्या में मणि पर्वत पर स्थापित होगा। पिंकसैंड स्टोन से निर्मित श्रीराम स्तंभ की ऊंचाई 15 फीट तथा चौड़ाई तीन से चार फीट है। श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान के रिसर्चर राम अवतार शर्मा (72 वर्ष) ने करीब 40 साल तक अध्ययन कर उन 290 स्थानों की पहचान की, जहां श्रीराम वन गमन के दौरान रुके थे।

रामलला सिंहासन को तराश रहे मकराना के रमजान

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का गर्भगृह राजस्थान के मकराना के कारीगर बना रहे हैं। रमजान सेठ गर्भगृह को प्रदेश के मकराना के संगमरमर पत्थरों से तराश रहे हैं। रमजान के अनुसार गर्भगृह तीन मंजिल का है। सिंहासन के लिए बेहतरीन संगमरमर मार्बल के स्ट्रक्चर में सोने-चांदी की परतें चढ़ी होंगी। जहां रामलला का सिंहासन और भगवान राम की विशाल मूर्ति स्थापित होगी, उसकी दीवारें 3 फीट चौड़ी होंगी। उनके बीच प्रत्येक मंजिल पर 8-8 दरवाजे लगाए जाएंगे। इस तीन मंजिले गर्भगृह में 15,000 घनफीट सफेद दूधिया मकराना मार्बल लगा

है। इसी मकराना मार्बल से आगरा का ताजमहल और कोलकाता का विक्टोरिया पैलेस बना है, लेकिन राम मंदिर में लग रहा पत्थर दोनों से बेहतर गुणवत्ता का है। इसमें करीब 99 प्रतिशत कैल्शियम है और आयरन की मात्रा बिल्कुल नहीं है। हमेशा यह मंदिर अपनी सफेद चमक बिखेरता रहेगा और इसमें पीलापन नहीं आएगा। पत्थर की दूसरी खूबसूरती यह है कि इस पर जितने ज्यादा लोग चलेंगे, हाथ लगाएंगे, कपड़े से साफ किया जाएगा या पानी से धोया जाएगा, उतना ही यह निखरता जाएगा।

अनूठा है भरतपुर का गुलाबी पत्थर

भरतपुर के बयाना उपखंड के बंशी पहाड़पुर का पत्थर अपने रंग और मजबूती के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। इस पत्थर का उपयोग देश-विदेश की ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण में किया गया है। इस पत्थर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी मजबूती और सुंदरता के साथ वर्षा में इसका रंग परिवर्तित नहीं होता बल्कि निखर जाता है। पत्थर का घनत्व अधिक, भार सहने की क्षमता और आसानी से नक्काशी व पच्चीकारी होने के कारण इसका उपयोग देश के प्रमुख ऐतिहासिक भवनों में किया गया है। इनमें दिल्ली का लाल किला, आगरा किला, जयपुर सिटी पैलेस, हवामहल जयुपर, इंडिया गेट, पुराना संसद भवन, बुलंद दरवाजा, अक्षरधाम व इस्कॉन के मंदिर शामिल हैं। इस पत्थर की उम्र लगभग 5 हजार वर्ष तक मानी जाती है। इसमें रूणी यानी स्टोन कैंसर नहीं होता है।

यह पत्थर गुलाबी, लाल और बर्रा रंगों में पाया जाता है। इसका उपयोग दीवारों पर बाहरी स्तर पर लगाने, फर्श बनाने में किया जाता है। इससे चौकट, फ्रेम आदि भी बनाए जाते हैं। भरतपुर संभाग में बयाना के बंशी पहाड़पुर में गुलाबी, बर्रा व लाल, धौलपुर व करौली जिले में लाल पत्थर पाया जाता है। इसकी मांग हमेशा बनी रहती है। इन क्षेत्रों से इस पत्थर को ब्लॉकों में खनन करके नक्काशी का कार्य के लिए बयाना, सरमथुरा, दौसा जिले के सिकंदरा, सिरोही जिले के पिंडवाड़ा व आबूरोड भेजा जाता है। इसकी कीमत रंग, मोटाई और गुणवत्ता पर निर्भर करती है। यह पत्थर लाल और गुलाबी रंग में अच्छा दिखता है।

धन्य-धन्य पूंछरी कौ लौठा

गिरिराज परिक्रमा में पूंछरी का लौठा मंदिर का महत्व

■ **हरिओमसिंह गुर्जर**
उपनिदेशक, जनसंपर्क

गिरिराज (गोवर्धन) की 21 किलोमीटर की परिक्रमा में श्रद्धालु नंगे पैर चलते हैं। परिक्रमा मार्ग का कुछ हिस्सा राजस्थान के भरतपुर (नवगठित डीग) जिले में आता है। इसमें पूंछरी का लौठा मंदिर पड़ता है। यह छोटा सा स्थान है, इसके आसपास बंदरों का जमावड़ा रहता है। गोवर्धन परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए जरूरी है कि वे पूंछरी का लौठा के दर्शन कर अपनी हाजिरी लगाएं। इनको माखन मिश्री का भोग लगता है और यही भोग ठाकुर जी को भी लगता है। इसी से पूंछरी का लौठा की महत्ता है। इसके आस-पास अनेक प्राचीन मंदिर बने हुए हैं। गिरिराज पर्वत की ओर एक प्राचीन कुंड भी है जिसमें वर्षभर पानी भरा रहता है।

अन्न खाए न पानी पिए, पड़ौ रहै सिलौटा

पूंछरी के लौठा के बारे में स्थानीय लोग एक कहावत बताते हैं जिसमें इनके स्वभाव का वर्णन किया गया है,

"धन्य-धन्य पूंछरी कौ लौठा, अन्न खाए न पानी पिए पड़ौ रहै सिलौटा" यानी धन्यवाद है पूंछरी के लौठा को जो अन्न भी नहीं खाते, जल भी नहीं पीते और शिला की तरह एक ही स्थान पर बैठे रहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सतयुग के शिव, त्रेता के हनुमान, द्वापर के मधुमंगल और कलयुग के पूंछरी का लौठा हैं। इन्हें श्री गिरिराज महाराज का चरण भी माना जाता है। एक अन्य मतानुसार भगवान श्रीकृष्ण अपने दोस्त पूंछरी के लौठा को गिरिराज जी के चरणों में बैठाकर द्वारिका चले गए कि मैं लौटूंगा, लेकिन लौटे नहीं और तभी से पूंछरी के लौठा एक ही स्थान पर बैठकर भगवान श्रीकृष्ण के लौटने का इंतजार कर रहे हैं।

गोवर्धन यात्रा का पौराणिक महत्व

गिरिराज परिक्रमा पथ में प्रमुख मंदिरों में मानसी गंगा स्थित गोवर्धन मंदिर, दानघाटी मंदिर, मुखारविंद मंदिर, राधारानी मंदिर, श्रीनाथ जी मंदिर, पूंछरी का लौठा सहित सैंकड़ों मंदिर बने हुए हैं। गोवर्धन की 21 किलोमीटर की परिक्रमा राजस्थान के श्रद्धालु पूंछरी का लौठा से प्रारंभ करते हैं तो जतिपुरा स्थित मुखारविंद मंदिर पर पुष्प, पंचमेवा चढ़ाकर दुग्धाभिषेक करते हैं। वहीं उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से आने वाले श्रद्धालु गोवर्धन से परिक्रमा प्रारंभ करते हैं तो दानघाटी मंदिर पर पुष्प, पंचमेवा चढ़ाकर दुग्धाभिषेक करते हैं। 21 किलोमीटर की परिक्रमा में संपूर्ण गिरिराज पर्वत के चारों ओर हरित पट्टी के किनारे मार्ग को सड़क और कच्चे मार्ग में विभाजित कर परिक्रमा पथ का निर्माण किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से मानसी गंगा, राधाकुंड, ललिता कुंड, श्याम सरोवर जैसे प्राचीन जलस्त्रोत हैं जिनके किनारे प्राचीन मंदिर बने हुए हैं। घाटों पर आज भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन जलस्त्रोतों का पूजन कर स्नान करते हैं।

आस्था का भवसागर
चंद्रभागा मेला

■ अनुप्रिया
जनसंपर्क अधिकारी

भारतीय संस्कृति में मेलों का खास महत्व रहा है। राजस्थान में लगने वाले मेलों का अपनी प्राचीन और स्थानीय संस्कृति के वाहक के रूप में विशेष स्थान है। ऐसा ही एक मेला हर साल चंद्रभागा नदी के किनारे लगता है। चंद्रभागा नदी की एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल के तौर पर पहचान है, जितना खास यहां हर साल लगने वाला मेला है। मान्यता के मुताबिक प्राचीन काल में राजा चंद्रसेन कुष्ठ रोग से पीड़ित थे। इस तलाई में स्नान करने से उनका रोग दूर गया। वह प्राचीन तलाई ही मान्यताओं के मुताबिक वह चंद्रभागा नदी है, जो राजा चंद्रसेन का रोग हर लेने के बाद से तीर्थस्थल बन गई।

राजस्थान और मालवा क्षेत्र का सबसे लंबा मेला

प्राचीन तीर्थस्थल चंद्रभागा नदी के किनारे हर साल कार्तिक मास में यह मेला लगता है। यहां लगने वाला विशाल पशु मेला एक सप्ताह तक चलता है। चंद्रभागा मेले में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। चंद्रभागा नदी के किनारे लगने वाला यह मेला राजस्थान और मालवा के मेलों में सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला मेला है। चंद्रभागा नदी में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के मन में इस प्राचीन नदी का पवित्र गंगा नदी के समान ही दर्जा है। देश-विदेश से श्रद्धालु इस मेले में आते हैं। चंद्रभागा मेले के दौरान इस साल 26 से 28 नवंबर तक पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 26 नवंबर को भव्य शोभा यात्रा, महाआरती और सामूहिक दीपदान, रंग बिरंगी भव्य हवाई आतिशबाजी, विख्यात राजस्थानी लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां हुईं।

27 नवंबर को साइकिल रैली, पर्यटक स्थलों का भ्रमण, विभिन्न एडवेंचर गतिविधियां, हॉट एयर बैलून, रैपलिंग, जिपलाइन, ट्रैंपोलिन, मूंछ, साफा बांधना, रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिताएं, नाइट काइट फ्लाइंग, लैंटन फ्लाइंग के साथ स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगीलो झालावाड़ कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इसी प्रकार 28 नवंबर को को विभिन्न एडवेंचर गतिविधियां, रस्साकशी, सतोलिया, म्यूजिकल चेयर रेस, रूमाल झपट्टा प्रतियोगिताएं म्यूजिकल स्टार नाइट आदि का आयोजन किया गया।

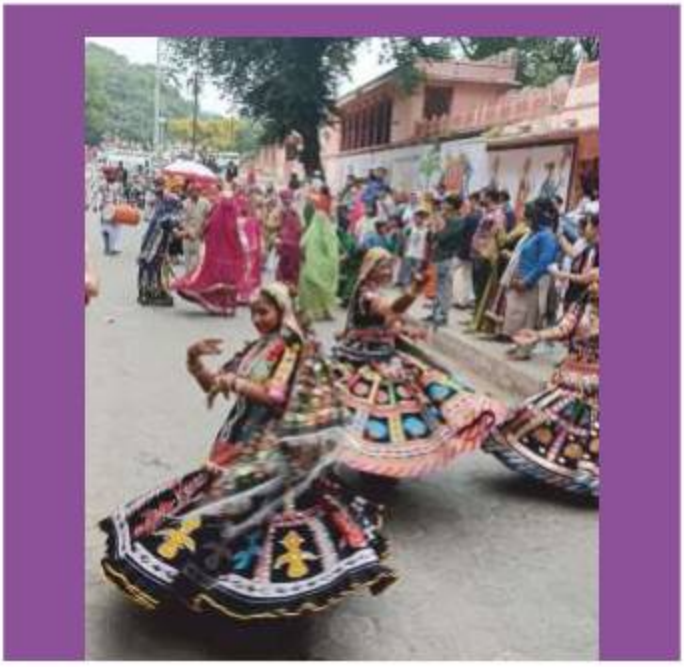

संस्कार सृष्टि

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक

पैनोरमा में होती है पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व की सहज अनुभूति

■ नरेंद्र सिंह शेखावत
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

जयपुर जिले का धानक्या एक ऐसा गांव है जहां की धरा के कण-कण में राष्ट्रवाद का पराग पल्लवित होता है। इसकी रज-रज में द्वंद्वातीत, निस्वार्थ, निस्पृह और धर्मनिष्ठ विचार कलरव करते हैं। यहां की आबोहवा में स्वाभिमान, स्वराज और स्वरोजगार का सिद्धांत पोषित होता है।

इसी गांव के रेलवे क्वार्टर में राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय का बचपन बीता था। धानक्या रेलवे स्टेशन पर उनके नानाजी स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत थे।

उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को संजोने के लिए राजधानी जयपुर से महज 20 किलोमीटर दूर धानक्या रेलवे स्टेशन के पास दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक तैयार किया गया है। यहां की सुंदर और सुरम्य छटा हर किसी को आकर्षित करती है। यह पैनोरमा न केवल पंडित दीनदयाल उपाध्याय की संस्कार सृष्टि है बल्कि उनके अनुपम सिद्धांतों, आदर्शों और राष्ट्र चिंतन का जीवंत प्रमाण है। बहुमुखी प्रतिभा, सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी, राष्ट्रवादी चिंतक, युग प्रेरक और युवाओं के प्रेरणा पुंज स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व के स्पंदन की सहज अनुभूति इस पैनोरमा में की जा सकती है।

धानक्या रेलवे स्टेशन के पास 4,500 वर्ग मीटर भूमि पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण किया गया है। स्मारक में पंडित दीनदयाल

प्रधानमंत्री ने किया संस्कार सृष्टि का अवलोकन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर, 2023 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107वीं जयंती पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक का अवलोकन किया। उन्होंने दिव्य और भव्य पैनोरमा की सराहना की। उन्होंने यहां उनके जीवन से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को देखकर एक नई ऊर्जा का अनुभव किया। उनके मुताबिक:

"मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहे अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। हमारी सरकार उनके अंत्योदय के सिद्धांत पर चलकर देश के गरीब से गरीब का जीवन आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी जन्म-जयंती पर यहां उनके जीवन से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को देखकर एक नई ऊर्जा का अनुभव हुआ। जयपुर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन विचार और चिंतन को समझने एवं आत्मसात करने के लिए धानक्या धन्य धरा में स्थित अनुपम एवं विहंगम राष्ट्रीय स्मारक का अवलोकन जरूर करना चाहिए।"

उपाध्याय की अष्टधातु की 15 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा स्थापित है। वहीं 60 फीट ऊंचा, 4 तला स्मारक बनाया गया है। स्मारक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति के अलावा उनके जीवन से जुड़ी प्रमुख घटनाओं को भित्ति चित्रों और 3डी, 2डी और प्रिंट मीडिया में प्रदर्शित किया गया है। उनके जीवन से जुड़ी घटनाओं, जनसभाओं और प्रबुद्धजनों से उनकी भेंट को भी यहां दर्शाया गया है।

राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के तत्कालीन अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत के मुताबिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म से लेकर उनके जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा राजस्थान में बीता है। राजस्थान से उनका गहरा नाता रहा है। जब तक यह स्मारक नहीं था तो बहुत बड़ी कमी महसूस होती थी। इसी सोच ने इस राष्ट्रीय स्मारक की इस परिकल्पना को साकार किया।

स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारत के स्व का साक्षात्कार किए बिना हम अपनी समस्याओं को नहीं सुलझा सकते। धानक्या गांव में बना पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक आज भारत के स्व के साक्षात्कार का केंद्र बन गया है।

विरासत और कला का संगम

कुंभलगढ़ महोत्सव

■ कल्पना यादव
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

राजस्थान में सर्वाधिक ऊंचाई पर स्थित कुंभलगढ़ दुर्ग समूचे विश्व में अपनी पहचान रखता है। यह वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जन्मस्थली है और अनेक शौर्य गाथाओं को अपने अंदर समेटे हुए है। अनुपम स्थापत्य कला की मिसाल यह दुर्ग यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार है। इस दुर्ग को देखने दूर-दूर से पर्यटक पहुंचते हैं और इसके सौंदर्य को निहारते नहीं थकते।

आम लोगों को यहां की विरासत, इतिहास और स्थानीय कलाओं से रूबरू कराने के लिए कुंभलगढ़ दुर्ग में हर साल पर्यटन विभाग द्वारा दिसंबर माह में तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इसमें भाग लेने के लिए हजारों की संख्या में देशी-विदेशी सैलानी आते हैं।

इस बार 1 से 3 दिसंबर तक कुंभलगढ़ महोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें पर्यटकों का उत्साह देखने लायक रहा। महोत्सव में राजस्थानी कला और संस्कृति से जुड़े विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राजस्थान की विभिन्न लोक

शैलियों के गायन, नृत्य और वाद्य यंत्रों के जरिये कलाकारों ने इसमें अपनी कला का प्रदर्शन किया। जहां एक ओर इस फेस्टिवल के माध्यम से पर्यटकों ने राजस्थानी कलाओं को जाना तो वहीं इस दुर्ग का भ्रमण कर वे इसकी विरासत से भी रूबरू हुए।

प्रस्तुतियों ने मोहा मन

महोत्सव में विश्व प्रसिद्ध मांगणियार—लंगा कलाकारों द्वारा गणपति वंदना और 'पधारो म्हारे देश' की प्रस्तुति दी गई। महोत्सव में कलाकारों ने विभिन्न शैली के लोक नृत्य भी प्रस्तुत किए जिनमें लाल आंगी गैर नृत्य, कच्छी घोड़ी नृत्य, चकरी, चंग, सहरिया स्वांग नृत्य और घूमर ने सैलानियों का मन मोह लिया। पारंपरिक लोक वाद्य यंत्र बांकिया की भी प्रस्तुति दी गई। बांकिया वाद्य यंत्र को लेकर पर्यटकों में काफी उत्सुकता रही। प्रस्तुति के बाद कलाकारों द्वारा इस वाद्य यंत्र के बारे में पर्यटकों को रोचक जानकारी भी दी गई। तेरहताली नृत्य और कालबेलिया नृत्य ने खूब समां बांधा। कलाकारों को नृत्य करते देख सैलानी अपने आप को रोक नहीं सके और साथ में नृत्य कर खूब लुत्फ उठाया।

राजस्थान के हर इलाके के कलाकार हुए शामिल

कार्यक्रम में किशनगढ़ के वीरेंद्र सिंह ने घूमर नृत्य, बारां से शिवनारायण ने चकरी नृत्य, बारां से गोपाल धानुक ने सहरिया-स्वांग नृत्य, उदयपुर से हरिशंकर नागर ने कच्छीघोड़ी नृत्य, बाड़मेर से पारसमल ने लाल गैर नृत्य, चित्तौड़गढ़ के विक्रम ने बहरूपिया नृत्य, चूरू से सुरेंद्र ने चंग नृत्य, गोगुंदा से धर्मी बाई ने तेरहताली नृत्य, बीकानेर से वर्षा सैनी ने भवाई नृत्य और बाड़मेर से पता खां ने कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी।

बाड़मेर से देव खान ने लंगा—मांगणियार गायन और कुंभलगढ़ के धनराज ने बांकिया वादन में भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में भी दिखा उत्साह

विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी पर्यटक भागीदार बने। विदेशी मेहमानों के लिए साफा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें भाग लेना पर्यटकों के लिए उत्साह से भरपूर रहा। साफा बांधने के बाद पर्यटकों ने अपनी सेल्फी लेकर खुशी प्रकट की।

प्रदेश की कला और संस्कृति को सहेजने और विश्व में पहचान दिलाने के लिए इस महोत्सव का आयोजन प्रशासन और पर्यटन विभाग की सराहनीय पहल है। प्रतिवर्ष होने वाले इस आयोजन में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है।

राजस्थान की नवनिर्वाचित सरकार का
थ ग्रहण समारोह

शपथ ग्रहण समारोह

राजस्थान की नवनिर्वाचित सरकार का
शपथ ग्रहण समारोह

शपथ ग्रहण समारोह की झलकियां

बूंदी उत्सव

सतरंगी पर्यटन पर्व

बूंदी को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने के लिए 1996 में बूंदी उत्सव की शुरुआत की गई। हाल में 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक तीन दिवसीय बूंदी उत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इन कार्यक्रमों में विदेशी सैलानियों ने भी बढ़—चढ़कर हिस्सा लिया। शिल्पग्राम, घुड़दौड़, बैलगाड़ी दौड़, ऊंट दौड़, मूंछ प्रतियोगिता, पगड़ी बांधना, रस्साकशी, मांडना, मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिताएं खास आकर्षण थीं। शहर की खूबसूरत झील जैतसागर में दीपोत्सव का आयोजन सैलानियों को खूब भाया। तीर्थ नगरी केशवरायपाटन के अलावा अब हिंडोली, नैनवां, इंद्रगढ़, लाखेरी आदि कस्बों में भी बूंदी उत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

• **हेमंत मीणा**
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

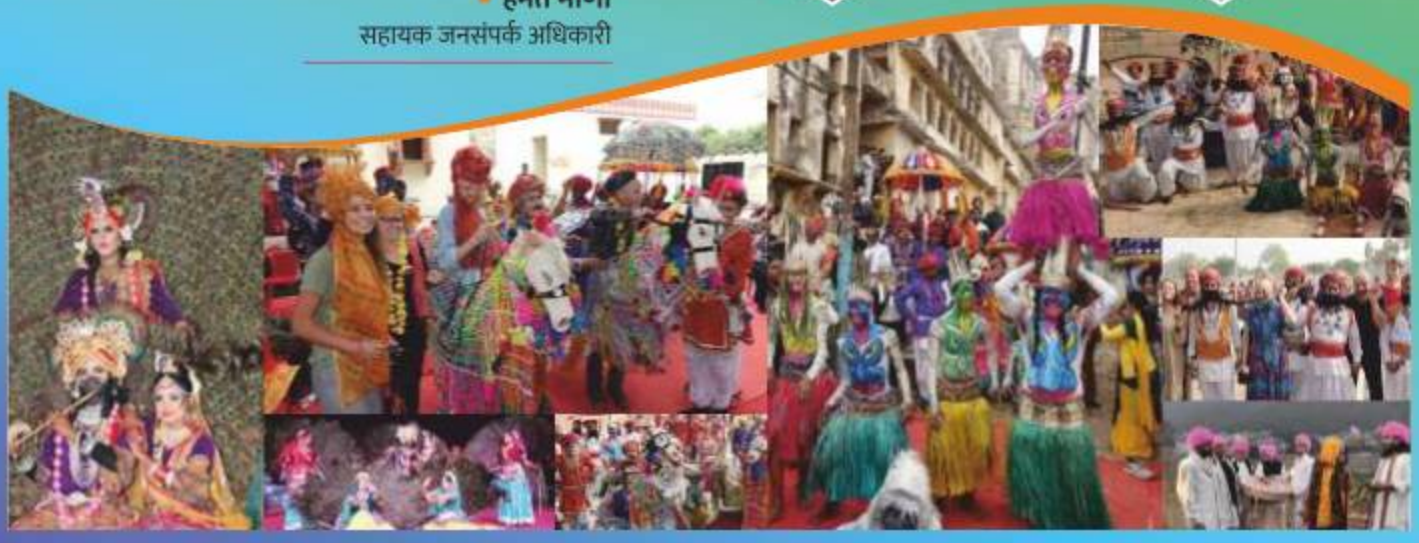

16वीं राजस्थान विधानसभा

नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

16वीं राजस्थान विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित विधायकों ने विधानसभा सदस्य के रूप में संविधान के प्रति निष्ठा और कर्तव्यों के श्रद्धापूर्वक निर्वहन की शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर श्री कालीचरण सराफ ने नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सदस्यता की शपथ ग्रहण की। इसके बाद उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी तथा डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शपथ ली।

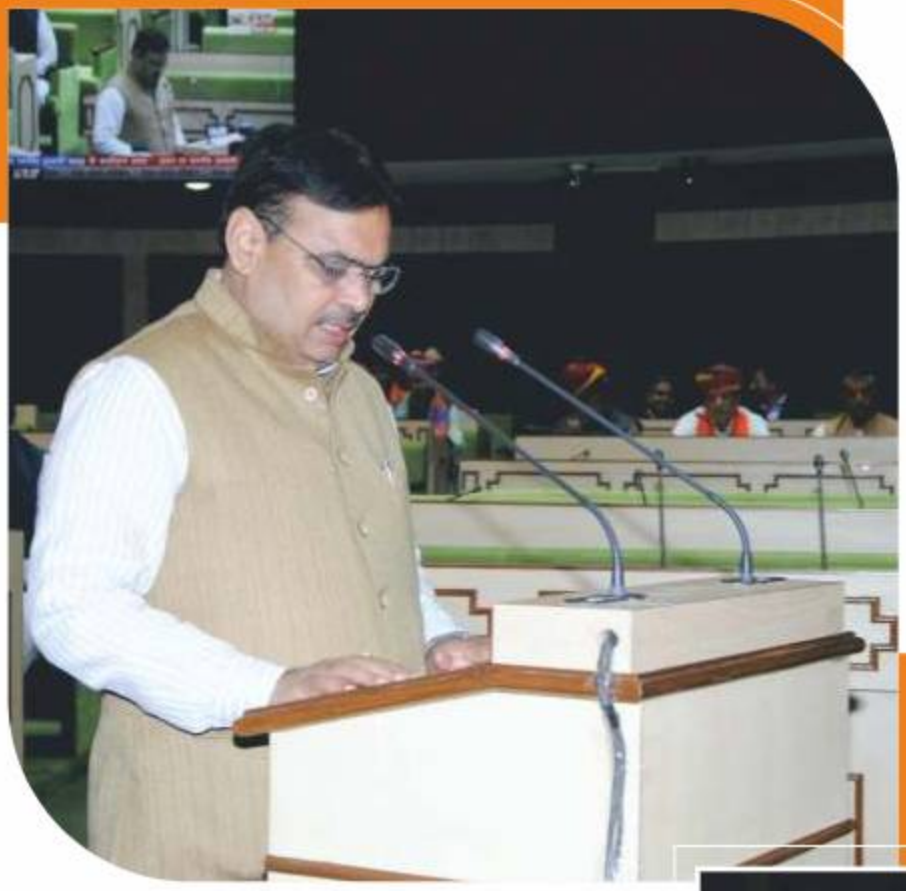

श्री भजनलाल शर्मा
उम्र : 56 वर्ष
शिक्षा : एमए (राजनीति शास्त्र)
विधानसभा क्षेत्र : सांगानेर
दल : भारतीय जनता पार्टी

श्रीमती दिया कुमारी
उम्र : 52 वर्ष
शिक्षा : फाइन आर्ट्स डेकोरेटिव पेंटिंग डिप्लोमा (लंदन)
विधानसभा क्षेत्र : विद्याधर नगर
दल : भारतीय जनता पार्टी

डॉ. प्रेम चंद बैरवा
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : पीएचडी
विधानसभा क्षेत्र : दूदू
दल : भारतीय जनता पार्टी

16वीं विधानसभा के लिए निर्वाचित सदस्यगण

25 नवंबर को राजस्थान की कुल 200 में से 199 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हुआ। मतदान से पहले उम्मीदवार की मृत्यु के कारण श्रीगंगानगर जिले की करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। राजस्थान की 16वीं विधानसभा के लिए चुनकर आए विधायकों का संक्षिप्त परिचय यहां दिया गया है।

श्री वासुदेव देवनानी 16वीं विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित

श्री वासुदेव देवनानी 21 दिसंबर को 16वीं राजस्थान विधानसभा के सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किए गए। श्री देवनानी राजस्थान विधानसभा के 18वें अध्यक्ष हैं। श्री देवनानी को अध्यक्ष चुने जाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सदन में प्रस्ताव रखा जिसका पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री सचिन पायलट ने अनुमोदन किया। सदन द्वारा ध्वनिमत से प्रस्ताव को पारित कर श्री देवनानी को अध्यक्ष निर्वाचित कर परंपरा को कायम रखा।

75 वर्षीय श्री वासुदेव देवनानी भारतीय जनता पार्टी से अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। वे इलेक्ट्रीकल शाखा में अभियांत्रिकी स्नातक हैं।

आदर्श नगर

श्री रफीक खान

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 57 वर्ष

शिक्षा : 12वीं

आहोर

श्री छगन सिंह राजपुरोहित

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 46 वर्ष

शिक्षा : बीए, बीएड

अजमेर-दक्षिण

श्रीमती अनिता भदेल

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 52 वर्ष

शिक्षा : एमए, एमएड

अलवर ग्रामीण

श्री टीकाराम जूली

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 43 वर्ष

शिक्षा : बीए, एलएलबी

अलवर शहर

श्री संजय शर्मा

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 54 वर्ष

शिक्षा : बीए

आमेर

श्री प्रशांत शर्मा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 59 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम (ऑनर्स)

अंता

श्री कंवरलाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 49 वर्ष
शिक्षा : 12वीं, आयुर्वेद नर्सिंग डिप्लोमा

अनूपगढ़

श्रीमती शिमला देवी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 41 वर्ष
शिक्षा : स्नातकोत्तर

आसींद

श्री जब्बर सिंह सांखला

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 55 वर्ष
शिक्षा : साक्षर

आसपुर

श्री उमेश मीणा

भारत आदिवासी पार्टी
उम्र : 30 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी

बागीदोरा

श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 62 वर्ष
शिक्षा : बीए

बगरू

श्री कैलाश चंद वर्मा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 38 वर्ष
शिक्षा : एमए (समाजशास्त्र), पीएचडी

बाली

श्री पुष्पेंद्र सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : बीए

बामनवास

श्रीमती इंद्रा मीणा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 36 वर्ष
शिक्षा : एमए

बांदीकुई

श्री भागचंद टांकड़ा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 45 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

बानसूर

श्री देवी सिंह शेखावत

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : बीएससी (गणित)

बांसवाड़ा

श्री अर्जुनसिंह बामणीया

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 60 वर्ष
शिक्षा : स्नातक (द्वितीय वर्ष)

बारां-अटरू

श्री राधेश्याम बैरवा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

बाड़ी

श्री जसवंत सिंह गुर्जर

बहुजन समाज पार्टी
उम्र : 68 वर्ष
शिक्षा : 8वीं

बड़ी सादड़ी

श्री गौतम कुमार

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 45 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम द्वितीय वर्ष

बाड़मेर

डॉ. प्रियंका चौधरी

निर्दलीय
उम्र : 50 वर्ष
शिक्षा : बीडीएस, एमए (लोक प्रशासन)

बसेड़ी

श्री संजय कुमार

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 35 वर्ष
शिक्षा : बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन)

बस्सी

श्री लक्ष्मण

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 72 वर्ष
शिक्षा : एमए (अर्थशास्त्र)

बयाना

डॉ. ऋतु बनावत

निर्दलीय

उम्र : 39 वर्ष

शिक्षा : एलएलबी, पीएचडी

बायतू

श्री हरीश चौधरी

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 53 वर्ष

शिक्षा : बीएससी, एमए अर्थशास्त्र

ब्यावर

श्री शंकरसिंह रावत

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 68 वर्ष

शिक्षा : बीए

बेगूं

डॉ. सुरेश धाकड़

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 45 वर्ष

शिक्षा : एमबीए, पीएचडी

बहरोड़

डॉ. जसवंत सिंह यादव

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 70 वर्ष

शिक्षा : बीएएमएस

भादरा

श्री संजीव कुमार

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 57 वर्ष

शिक्षा : एमए (राजनीति विज्ञान, इतिहास)

भरतपुर

डॉ. सुभाष गर्ग

राष्ट्रीय लोक दल

उम्र : 64 वर्ष

शिक्षा : एमकॉम, एमफिल, पीएचडी

भीलवाड़ा

श्री अशोक कुमार कोठारी

निर्दलीय

उम्र : 62 वर्ष

शिक्षा : बीकॉम

भीम

श्री हरिसिंह रावत

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 68 वर्ष

शिक्षा : बीए

भीनमाल

श्री समरजीत सिंह

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 56 वर्ष
शिक्षा : एमए, एमफिल, पीएचडी

भोपालगढ़

श्रीमती गीता बरवड़

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 48 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी, बीएड

बीकानेर पूर्व

सुश्री सिद्धि कुमारी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 50 वर्ष
शिक्षा : एमए

बीकानेर पश्चिम

श्री जेठानंद व्यास

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

बिलाड़ा

श्री अर्जुन लाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : पॉलिटेक्निक डिप्लोमा

बूंदी

श्री हरिमोहन शर्मा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 83 वर्ष
शिक्षा : एमकॉम, एलएलबी

चाकसू

श्री रामावतार बैरवा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 42 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

छबड़ा

श्री प्रताप सिंह सिंघवी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 66 वर्ष
शिक्षा : 8वीं

चित्तौड़गढ़

श्री चंद्रभान सिंह चौहान

निर्दलीय
उम्र : 47 वर्ष
शिक्षा : एमए, एलएलबी

चौहटन

श्री आदू राम मेघवाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

चौमूं

डॉ. शिखा मील बराला

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 40 वर्ष
शिक्षा : एमबीबीएस, डीजीओ (गायनी एंड ओब्स)

चौरासी

श्री राजकुमार रोत

भारत आदिवासी पार्टी
उम्र : 31 वर्ष
शिक्षा : बीए, बीएड

चूरू

श्री हरलाल सहारण

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 55 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

सिविल लाइंस

श्री गोपाल शर्मा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 64 वर्ष
शिक्षा : एमए (इतिहास)

डग

श्री कालूराम

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : 8वीं

दांतारामगढ़

श्री वीरेंद्र सिंह

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 55 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

दौसा

श्री मुरारी लाल मीना

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : सिविल इंजीनियरिंग में पॉलिटेक्निक डिप्लोमा

डीडवाना

श्री यूनुस खान

निर्दलीय
उम्र : 59 वर्ष
शिक्षा : एमकॉम

डीग-कुम्हेर

डॉ. शैलेश सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 43 वर्ष
शिक्षा : एमबीबीएस

डेगाना

श्री अजय सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : स्नातकोत्तर

देवली-उनियारा

श्री हरीश चंद्र मीना

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 69 वर्ष
शिक्षा : बीए (ऑनर्स)

धरियावद

श्री थावर चंद

भारत आदिवासी पार्टी
उम्र : 28 वर्ष
शिक्षा : बीए

धोद

श्री गोरधन

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 50 वर्ष
शिक्षा : एमए (राजनीति विज्ञान)

धौलपुर

श्रीमती शोभारानी कुशवाह

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 42 वर्ष
शिक्षा : एमए

डूंगरगढ़

श्री ताराचंद

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 69 वर्ष
शिक्षा : साक्षर

डूंगरपुर

श्री गणेश घोगरा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 44 वर्ष
शिक्षा : एमए, एमफिल, एलएलबी

फतेहपुर

श्री हाकम अली खां

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

गंगानगर

श्री जयदीप बिहाणी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 58 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम

गंगापुर

श्री रामकेश

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 66 वर्ष
शिक्षा : एमए (इतिहास)

गढ़ी

श्री कैलाशचंद्र मीणा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 58 वर्ष
शिक्षा : बीए अध्ययनरत

घाटोल

श्री नानालाल निनामा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 69 वर्ष
शिक्षा : 9वीं

गोगुंदा

श्री प्रताप लाल भील

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

गुड़ा मालानी

श्री कृष्ण कुमार विश्नोई

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 46 वर्ष
शिक्षा : बीए

हनुमानगढ़

श्री गणेशराज बंसल

निर्दलीय
उम्र : 58 वर्ष
शिक्षा : 9वीं

हवा महल

श्री बालमुकुंदाचार्य

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 47 वर्ष
शिक्षा : साक्षर

हिंडौन

श्रीमती अनीता जाटव

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 39 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

हिंडोली

श्री अशोक

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 39 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम, एमए (भूगोल)

जहाजपुर

श्री गोपीचंद मीणा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 48 वर्ष
शिक्षा : बीए, सीपी एड

जैसलमेर

श्री छोटू सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 68 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

जैतारण

श्री अविनाश गहलोत

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 41 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी

जालोर

श्री जोगेश्वर गर्ग

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 68 वर्ष
शिक्षा : बीए

जमवारामगढ़

श्री महेंद्र पाल मीना

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 47 वर्ष
शिक्षा : एमए

जायल

डॉ. मंजू बाघमार

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 51 वर्ष
शिक्षा : एमकॉम, पीएचडी, एलएलएम

झाड़ोल

श्री बाबूलाल खराड़ी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 51 वर्ष
शिक्षा : 11वीं

झालरापाटन

श्रीमती वसुंधरा राजे

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 70 वर्ष
शिक्षा : बीए ऑनर्स

झोटवाड़ा

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : बीए

झुंझुनू

श्री बृजेंद्र सिंह ओला

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 72 वर्ष
शिक्षा : एमए (राजनीति विज्ञान), एलएलबी

जोधपुर

श्री अतुल भंसाली

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम, सीए

कामां

सुश्री नौक्षम

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 33 वर्ष
शिक्षा : एमए (इतिहास, फैशन मीडिया प्रमोशन एवं कम्यूनिकेशन)

कपासन

श्री अर्जुन लाल जीनगर

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 63 वर्ष
शिक्षा : एमए

करौली

श्री दर्शन सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 60 वर्ष
शिक्षा : 8वीं

कठूमर

श्री रमेश खींची

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

केकड़ी

श्री शत्रुघन गौतम

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 47 वर्ष
शिक्षा : बीए

केशोरायपाटन

श्री चुन्नीलाल प्रेमी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 69 वर्ष
शिक्षा : बीएससी

खाजूवाला

डॉ. विश्वनाथ मेघवाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 56 वर्ष
शिक्षा : स्नातक, एमबीबीएस

खंडार

श्री जितेंद्र कुमार गोठवाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 50 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

खंडेला

श्री सुभाष मील

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 45 वर्ष
शिक्षा : स्नातक (विज्ञान, विधि)

खानपुर

श्री सुरेश गुर्जर

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 50 वर्ष
शिक्षा : स्नातकोत्तर

खेरवाड़ा

डॉ. दयाराम परमार

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 78 वर्ष
शिक्षा : पीएचडी

खेतड़ी

श्री धर्मपाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 56 वर्ष
शिक्षा : बीटेक (इलेक्ट्रिकल)

खींवसर

श्री हनुमान बेनीवाल

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी
उम्र : 51 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी

किशनपोल

श्री अमीन कागजी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : 12वीं (वाणिज्य)

किशनगंज

श्री ललित मीना

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 36 वर्ष
शिक्षा : स्नातकोत्तर, बीएड

किशनगढ़

श्री विकास चौधरी

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 36 वर्ष

शिक्षा : एमएससी, पीएचडी

किशनगढ़ बास

श्री दीपचंद खैरिया

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 83 वर्ष

शिक्षा : बीए, एलएलबी

कोलायत

श्री अंशुमान सिंह भाटी

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 27 वर्ष

शिक्षा : बीकॉम

कोटा-उत्तर

श्री शांति धारीवाल

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 80 वर्ष

शिक्षा : बीए, एलएलबी

कोटा-दक्षिण

श्री संदीप शर्मा

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 55 वर्ष

शिक्षा : बीए

कोटपूतली

श्री हंसराज पटेल

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 54 वर्ष

शिक्षा : 8वीं

कुभलगढ़

श्री सुरेंद्र सिंह राठौड़

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 60 वर्ष

शिक्षा : बीए प्रथम वर्ष

कुशलगढ़

श्रीमती रमीला खड़ीया

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 54 वर्ष

शिक्षा : साक्षर

लक्ष्मणगढ़

श्री गोविंद सिंह डोटासरा

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 59 वर्ष

शिक्षा : बीकॉम, एलएलबी, बीएड

लाडनूं

श्री मुकेश भाकर

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 35 वर्ष
शिक्षा : एमए (समाजशास्त्र)

लाडपुरा

श्रीमती कल्पना देवी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा

लालसोट

श्री रामबिलास मीना

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 47 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

लूणकरनसर

श्री सुमित गोदारा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 49 वर्ष
शिक्षा : एमबीए

लोहावट

श्री गजेंद्र सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : बीए, बीबीए (कनाडा)

लूणी

श्री जोगाराम पटेल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 68 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी

महवा

श्री राजेंद्र मीणा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 49 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

मकराना

श्री जाकिर हुसैन गैसावत

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

मालपुरा

श्री कन्हैयालाल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

मालवीय नगर

श्री कालीचरण सराफ

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 72 वर्ष
शिक्षा : स्नातकोत्तर

मांडल

श्री उदयलाल भडाणा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 45 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

मांडलगढ़

श्री गोपाल लाल शर्मा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 63 वर्ष
शिक्षा : बीए

मंडावा

कुमारी रीटा चौधरी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 50 वर्ष
शिक्षा : एमए (राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी), एमबीए (यूएसए)

मनोहर थाना

श्री गोविंद प्रसाद

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 63 वर्ष
शिक्षा : बीए

मारवाड़ जंक्शन

श्री केसाराम चौधरी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 71 वर्ष
शिक्षा : बीए

मसूदा

श्री वीरेंद्र सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 58 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम

मावली

श्री पुष्कर लाल डांगी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

मेड़ता

श्री लक्ष्मण राम

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 51 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

मुंडावर

श्री ललित यादव

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 34 वर्ष
शिक्षा : बीए

नदबई

श्री जगत सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 55 वर्ष
शिक्षा : बीबीए (यूके)

नगर

श्री जवाहर सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 55 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी

नागौर

श्री हरेंद्र मिर्धा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 74 वर्ष
शिक्षा : एमबीए

नसीराबाद

श्री रामस्वरूप लांबा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 38 वर्ष
शिक्षा : बीए

नाथद्वारा

श्री विश्वराज सिंह मेवाड़

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : बीए

नवलगढ़

श्री विक्रम सिंह जाखल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 48 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

नावां

श्री विजय सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 54 वर्ष
शिक्षा : बीए

नीमकाथाना

श्री सुरेश मोदी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 74 वर्ष
शिक्षा : सीए

निंबाहेड़ा

श्री श्रीचंद कृपलानी

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 64 वर्ष

शिक्षा : बीए

निवाई

श्री राम सहाय वर्मा (रेगर)

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 62 वर्ष

शिक्षा : 12वीं, आईटीआई

नोहर

श्री अमित चाचाण

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 39 वर्ष

शिक्षा : 10वीं

नोखा

श्रीमती सुशीला रामेश्वर डूडी

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 58 वर्ष

शिक्षा : बीएससी द्वितीय वर्ष

ओसियां

श्री भैरा राम चौधरी (सियोल)

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 52 वर्ष

शिक्षा : बीए (ऑनर्स) इतिहास

पचपदरा

श्री अरुण चौधरी

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 47 वर्ष

शिक्षा : स्नातक, बीए एलएलबी

पाली

श्री भीम राज भाटी

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 75 वर्ष

शिक्षा : बीई (मैकेनिकल), बिट्स पिलानी

परबतसर

श्री रामनिवास गावड़िया

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 32 वर्ष

शिक्षा : एमए

फलौदी

श्री पब्बाराम विश्नोई

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 72 वर्ष

शिक्षा : एमए

फुलेरा

श्री विद्याधर सिंह

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 67 वर्ष

शिक्षा : एमए (इतिहास)

पिलानी

श्री पितराम सिंह काला

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 59 वर्ष

शिक्षा : एमए (अंग्रेजी), बीएड

पीलीबंगा

श्री विनोद कुमार

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 42 वर्ष

शिक्षा : बीए, बीएड

पिंडवाड़ा आबू

श्री समाराम

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 55 वर्ष

शिक्षा : 8वीं

पीपल्दा

श्री चेतन पटेल कोलाना

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 32 वर्ष

शिक्षा : एमटेक

पोकरण

श्री प्रताप पुरी

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 53 वर्ष

शिक्षा : 10वीं (गुरुकुल शिक्षा)

प्रतापगढ़

श्री हेमंत मीणा

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 43 वर्ष

शिक्षा : स्नातक

पुष्कर

श्री सुरेश सिंह रावत

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 40 वर्ष

शिक्षा : बीए (ऑनर्स), एलएलबी

रायसिंह नगर

श्री सोहन लाल नायक

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 56 वर्ष

शिक्षा : एमए, एलएलबी, एमबीए

राजाखेड़ा

श्री रोहित बोहरा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम, एमबीए

राजगढ़-लक्ष्मणगढ़

श्री मांगेलाल मीना

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 62 वर्ष
शिक्षा : बीई (सिविल इंजीनियरिंग), एमबीए

राजसमंद

श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 36 वर्ष
शिक्षा : व्यावसायिक प्रबंधन में अधिस्नातक डिप्लोमा

रामगंज मंडी

श्री मदन दिलावर

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 64 वर्ष
शिक्षा : मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

रामगढ़

श्री जुबेर खान

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 61 वर्ष
शिक्षा : एमएसडब्ल्यू, बीएड (स्पेशल)

रानीवाड़ा

श्री रतन देवासी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 48 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

रतनगढ़

श्री पूसाराम गोदारा

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम, एलएलबी

रेवदर

श्री मोतीराम

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 52 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

सादुलपुर

श्री मनोज कुमार

बहुजन समाज पार्टी
उम्र : 45 वर्ष
शिक्षा : एमए (लोक प्रशासन, इतिहास, राजनीति विज्ञान)

सादुलशहर

श्री गुरवीर सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 39 वर्ष
शिक्षा : बीए, एलएलबी

सागवाड़ा

श्री शंकरलाल डेचा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 59 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

सहाड़ा

श्री लादू लाल पितलिया

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 52 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

सलूंबर

श्री अमृतलाल मीणा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 63 वर्ष
शिक्षा : एमए (समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान)

सांचोर

श्री जीवाराम चौधरी

निर्दलीय
उम्र : 62 वर्ष
शिक्षा : 8वीं

संगरिया

श्री अभिमन्यु

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 32 वर्ष
शिक्षा : एमए

सांगोद

श्री हीरालाल नागर

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 63 वर्ष
शिक्षा : स्नातक

सपोटरा

श्री हंसराज मीना

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 39 वर्ष
शिक्षा : बीए, बीएड

सरदारपुरा

श्री अशोक गहलोत

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 72 वर्ष
शिक्षा : एमए (अर्थशास्त्र) एलएलबी

सरदारशहर

श्री अनिल कुमार शर्मा

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 52 वर्ष

शिक्षा : 10वीं

सवाई माधोपुर

श्री किरोड़ी लाल मीणा

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 72 वर्ष

शिक्षा : एमबीबीएस

शाहपुरा

श्री मनीष यादव

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 35 वर्ष

शिक्षा : एमए, एलएलबी

शाहपुरा

श्री लालाराम बैरवा

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 51 वर्ष

शिक्षा : बीए, सीपीएड

शिव

श्री रविंद्र सिंह भाटी

निर्दलीय

उम्र : 25 वर्ष

शिक्षा : बीए, एलएलबी

शेरगढ़

श्री बाबूसिंह राठौड़

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 52 वर्ष

शिक्षा : एमकॉम, डीसीएलएल

सीकर

श्री राजेंद्र पारीक

इंडियन नेशनल कांग्रेस

उम्र : 75 वर्ष

शिक्षा : बीकॉम

सिकराय

श्री विक्रम बंशीवाल

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 44 वर्ष

शिक्षा : बीए

सिरोही

श्री ओटा राम देवासी

भारतीय जनता पार्टी

उम्र : 58 वर्ष

शिक्षा : 9वीं

सिवाना

श्री हमीर सिंह भायल

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

सोजत

श्रीमती शोभा चौहान

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 52 वर्ष
शिक्षा : एमए (समाजशास्त्र)

सूरसागर

श्री देवेंद्र जोशी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 64 वर्ष
शिक्षा : एमकॉम

श्रीमाधोपुर

श्री झाबर सिंह खर्रा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 67 वर्ष
शिक्षा : बीकॉम

सुजानगढ़

श्री मनोज कुमार

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 48 वर्ष
शिक्षा : बीएससी, एलएलबी

सुमेरपुर

श्री जोराराम कुमावत

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 59 वर्ष
शिक्षा : 7वीं

सूरजगढ़

श्री श्रवण कुमार

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 69 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

सूरतगढ़

श्री डूंगरराम गेदर

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 57 वर्ष
शिक्षा : बीए

तारानगर

श्री नरेंद्र बुडानियां

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 67 वर्ष
शिक्षा : बीएससी, एलएलबी

थानागाजी

श्री कांति प्रसाद

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 63 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

तिजारा

महंत बालकनाथ

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 39 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

टोडाभीम

श्री घनश्याम

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 60 वर्ष
शिक्षा : 9वीं

टोंक

श्री सचिन पायलट

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 46 वर्ष
शिक्षा : एमबीए (USA)

उदयपुर

श्री ताराचंद जैन

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 70 वर्ष
शिक्षा : 12वीं

उदयपुर ग्रामीण

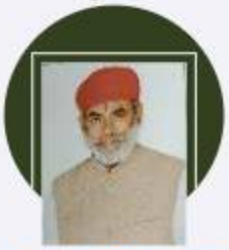

श्री फूल सिंह मीणा

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 64 वर्ष
शिक्षा : बीए

उदयपुरवाटी

श्री भगवाना राम सैनी

इंडियन नेशनल कांग्रेस
उम्र : 58 वर्ष
शिक्षा : एमकॉम, बीएड, एलएलबी

वल्लभ नगर

श्री उदयलाल डांगी

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 51 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

विराटनगर

श्री कुलदीप

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 53 वर्ष
शिक्षा : 10वीं

वैर

श्री बहादुर सिंह

भारतीय जनता पार्टी
उम्र : 65 वर्ष
शिक्षा : 9वीं

देशभक्ति गीतों के जादूगर
कवि प्रदीप

▪ पुष्पा गोस्वामी
उपनिदेशक (से.नि.)

शब्दों के मोतियों की माला में देशभक्ति, प्रभु भक्ति और दार्शनिकता के इंद्रधनुषी रंग पिरोकर जिस कवि ने अपना नाम भारत के इतिहास में अमर कर दिया उसका नाम है राष्ट्रकवि प्रदीप।

मध्यप्रदेश के उज्जैन में बड़नगर में जन्मे रामचंद्र नारायण द्विवेदी को कोई नहीं जानता, लेकिन उज्जैन से बंबई (अब मुंबई) के सफर ने उन्हें 'प्रदीप' बना कर प्रदीप्त कर दिया। कोई सोच भी नहीं सकता है कि इस सादगी और आदर्श व्यक्तित्व ने लगभग 76 फिल्मों में 1,700 से ज्यादा गीत लिखे। मुफलिसी के दिनों में इस गीतकार ने मिस कमल, बी.ए. के नाम से कई फिल्मों जैसे कादंबरी, सती तोरल, वीरांगना और आम्रपाली फिल्मों के गीत भी लिखे।

कवि प्रदीप की आरंभिक शिक्षा इंदौर में हुई। बाद में उन्होंने इलाहाबाद और लखनऊ से आगे की शिक्षा प्राप्त की। वे शिक्षक बनने का ख्वाब देख रहे थे लेकिन उन्हें किस्मत बंबई बुला रही थी। एक कवि सम्मेलन के लिए गए कवि रामचंद्र नारायण द्विवेदी ने बंबई में कदम रखा और जैसा कि कहते हैं मुंबई का जादू सबको अपने में समेट लेता है वही हुआ और रामचंद्र नारायण द्विवेदी कवि प्रदीप बन कर फिल्मी दुनिया पर छा गए।

बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि कवि प्रदीप बहुत बड़े देशभक्त थे। इसकी मिसाल उनके गीतों में तो मिलती ही है लेकिन 1943 में बनी फिल्म किस्मत में उनका लिखा हुआ गीत "आज हिमालाय की चोटी से फिर हमने ललकारा है, दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिंदुस्तान हमारा है" अंग्रेजी सरकार को नहीं भाया, गिरफ्तारी से बचने के लिए कवि प्रदीप को भूमिगत होना पड़ा।

फिल्मी गीतों के जानकार अधिकांश लोग जानते हैं कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनिकों की याद में जब लता मंगेशकर ने 26 जनवरी, 1963 को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू के सामने "ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी" गाया तो नेहरू जी सहित लाखों लोगों के आंसू रुक न सके।

शायद कुछ ही लोग इस तथ्य से परिचित होंगे कि सिंध और पंजाब विधानसभाओं में कवि प्रदीप के "चल—चल रे नौजवान, कहना मेरा मान, मान, चल रे नौजवान। रुकना तेरा काम नहीं, चलना तेरी शान , चल—चल रे नौजवान" गीत को कई बार गाया गया। यह वर्ष 1940 में आई फिल्म 'बंधन' का गीत था जिसे

सरस्वती देवी ने संगीतबद्ध किया था और आशा भोंसले और मोहम्मद रफी ने गाया था।

कभी "बॉम्बे टॉकीज" में मात्र 200 रुपए महीना पाने वाले कवि प्रदीप ने "कंगन" से अपना संगीत सफर शुरू किया था। वे अच्छे गायक भी थे। कई बार उनके लिखे गीतों की वजह से फिल्में भी चल निकलीं।

देश भक्ति की भावना जगाने वाले गीतों की सूची बहुत लंबी है। इसमें उनके गैर फिल्मी गीत भी शामिल थे। ऊपर गगन विशाल (मशाल), साबरमती के संत (जागृति) आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं (जागृति) बिगुल बज रहा आजादी का (तलाक), जन्मभूमि मां (नेताजी सुभाष चंद्र बोस) आदि के साथ साथ "चल चल रे नौजवान" और "दूर हटो ऐ दुनिया वालों" का जिक्र हम कर चुके हैं।

प्रेम के मधुर गीत भी कवि प्रदीप ने खूब लिखे। जिन फिल्मों ने प्रदीप के प्रेम

गीतों से शोहरत कमाई उनमें सूनी पड़ी रे सितार (कंगन), मेरे बिछड़े हुए साथी (खुला), सांवरिया रे अपनी मीरा को भूल न जाना (आंचल), नाचो प्यारे मन के मोर (पुनर्मिलन) आदि प्रमुख हैं।

इसके अलावा भक्ति और दर्शन से जुड़े गीत भी, बखूबी लिखे। हर-हर महादेव, अल्लाहो अकबर (चल—चल रे नौजवान) किसकी किस्मत में क्या लिखा (मशाल), जय जय राम रघुराई, (नास्तिक), तेरे द्वार खड़ा भगवान (वामन अवतार), काहे को बिसरा हरिनाम माटी के पुतले (चक्रधारी), भारत के लिए वरदान है गंगा (हर—हर गंगे), प्रभु के भरोसे हांको गाड़ी (हरि दर्शन), इसके अलावा 'जय संतोषी मां' फिल्म के गीतों ने पूरे देश ही नहीं विदेशों में भी लोकप्रियता के सभी प्रतिमान तोड़ दिए।

दार्शनिकता से भरपूर गीतों में 'कितना बदल गया इंसान (नास्तिक), कोई लाख करे चतुराई (चंडी पूजा), इंसान का इंसान से हो भाईचारा, यही पैगाम हमारा (पैगाम), आज के इस इंसान को क्या हो गया (अमर रहे यह प्यार), चल अकेला, चल अकेला तेरा मेला पीछे छूटा, राही, चल अकेला और तुमको तो करोड़ों साल हुए बतलाओ गगन गंभीर, इस प्यारी—प्यारी दुनिया में क्यों अलग—अलग तकदीर (संबंध), सुख—दुख दोनों रहते (कभी धूप, कभी छांव), मारने वाला है भगवान (हरि दर्शन) खास हैं।

कवि प्रदीप के गीतों को कुछ शब्दों में समेटना असंभव है। इनके गीत आज भी देश प्रेम जगाते हैं। देश के लिए मर मिटने का संदेश देते हैं और साथ ही जीवन की सीख भी देते हैं। विशेष अवसरों पर इनके कई गीत गाए और बजाए जाते हैं।

बात करें कवि प्रदीप को प्राप्त पुरस्कारों की तो वर्ष 1997- 98 में इन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त हुआ था। वर्ष 2011 में उन पर डाक टिकट जारी किया गया था। सबसे बड़ी बात यह है कि देशभक्ति का जज्बा जगाने वाले उनके गीत आज भी गाए जाते हैं और इसलिए उन्हें राष्ट्रकवि भी कहा जाता है।

उल्लेखनीय है कि "ऐ मेरे वतन के लोगों" गीत से प्राप्त राजस्व को उन्होंने युद्ध विधवा कोष में जमा कराया था।

दरअसल देश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सुप्त और शोषित जनता को जगाकर देश प्रेम की अलख जगाने वाले देश के पत्रकारों, साहित्यकारों और कवियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकेगा।

11 दिसंबर, 1998 इस महान कवि ने कैंसरग्रस्त होने पर अंतिम सांस ली। देश की भावी पीढ़ी को कवि प्रदीप के जीवन और गीतों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

चिरंजीवी लोक-संस्कृति का परिचायक

धनोप गांव का दड़ा महोत्सव

■ डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव

नवसृजित शाहपुरा जिले के फूलिया कलां उपखंड में स्थित धनोप ग्राम में हर साल मकर संक्रांति पर ग्रामवासी मिलकर दड़ा महोत्सव का आयोजन करते हैं। दड़ा महोत्सव जहां एक ओर इस क्षेत्र की चिरंजीवी ग्रामीण संस्कृति का द्योतक है, वहीं यह ग्रामीण पर्यटन के विकास का महत्वपूर्ण उत्प्रेरक भी बन रहा है। धनोप गांव में एक पहाड़ी पर धनोप माता नाम से एक पुरातन शक्तिपीठ स्थापित है। इस शक्तिपीठ में माता की पांच प्रतिमाएं अष्टभुजा, अन्नपूर्णा, चामुंडा, विश्वंत और कालिका स्थापित हैं जिन्हें सामूहिक रूप से धनोप माता कहा जाता है। धनोप माता को राजा थुंध की कुलदेवी के रूप में भी जाना जाता है। धनोप गांव के केंद्र में श्री धनोप कल्याण धणी का एक अति प्राचीन मंदिर है। मंदिर के गर्भगृह में श्री कल्याण जी के रूप में विष्णु जी की काले रंग की चतुर्भुजी शृंगारिक प्रतिमा विराजमान है। धनोप ग्राम के समस्त ग्रामवासी स्वयं को माता धनोप और श्री धनोप कल्याण धणी का सेवक मानते हैं। श्री धनोप माता और श्री धनोप कल्याण धणी की कृपा से गांव प्राकृतिक प्रकोपों से सुरक्षित रहे और संपन्नता बढ़ती ही रहे इन शुभाकांक्षाओं के साथ यहां हर साल मकर संक्रांति पर दड़ा महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

दड़ा का निर्माण

ग्रामीण परिवेश में दड़ा का अभिप्राय गेंद होता है। धनोप गांव में दड़ा का निर्माण कपड़ों और जूट की रस्सियों से किया जाता है। कपड़े के भीतर देवी मां और हनुमान जी की छोटी-छोटी प्रतिमाएं विराजित की जाती हैं। इन प्रतिमाओं पर कपड़े की अनेक परतें चढ़ाकर रस्सियों से बांधकर एक गेंदनुमा संरचना बनाई जाती है जो फुटबॉल से भी बड़े आकार की होती है। गेंद के भीतर प्रतिमाओं को इसलिए विराजित किया जाता है ताकि इस गेंद को कोई पैर न लगाए और उसे अपने हाथों में लेकर स-सम्मान दड़ा खेले। दड़े की सतह पर रस्सियों के 7 कड़े बनाए जाते हैं। इन कड़ों को पकड़कर स्थानीय लोग दड़े को अपनी ओर खींचते हैं। कपड़े व रस्सियों के प्रयोग से बना दड़ा लगभग 7 किलोग्राम वजनी होता है।

दड़ा महोत्सव का आयोजन धनोप गांव के केंद्र गढ़ के सामने गढ़ चौक क्षेत्र में किया जाता है। दड़ा महोत्सव का आयोजन एक दिवसीय होता है, लेकिन इसके आयोजन से पूर्व की जाने वाली तैयारियां भी उत्सव से कम नहीं होतीं। इसके आयोजन की तैयारियां लगभग एक महीने पहले शुरू कर दी जाती हैं। दड़ा महोत्सव के आयोजन स्थल (गढ़ चौक) पर फर्रियों, गुब्बारों और फूल-पत्तियों से सजावट की जाती है। मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर गढ़ चौक के श्री धनोप कल्याण धणी मंदिर के बाहर ग्रामवासियों की ओर से भजन संध्या और लोकसंगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। महोत्सव की पूर्व संध्या पर 'लावणी' गाई जाती है। राजस्थानी लोक संस्कृति में लावणी का अभिप्राय देवी-देवताओं के आह्वान हेतु गेय स्तुतियों से है। मकर संक्रांति को सूर्योदय के साथ ही ग्रामवासी गढ़ चौक में दड़ा खेलने के लिए एकत्र होते हैं।

दड़ा में स्थानीय युवक बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं। छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग इस खेल में दर्शक की भूमिका का निर्वहन करते हैं। जन-समुदाय में ऐसी मान्यता है कि इस खेल में वे ही युवक भाग लेते हैं जिन्हें श्री धनोप कल्याण धणी और माता धनोप द्वारा चयनित किया गया है। दड़ा खेल में भाग लेने वाले युवकों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे स्नान कर तथा स्वच्छ कपड़े पहनकर इस खेल में भाग लें और नंगे पैर ही दड़ा खेलें। किसी के पैर में कंकर-पत्थर या अथवा किसी नुकीली वस्तु से कोई चोट न लग जाए इसके लिए गढ़ चौक क्षेत्र में साफ-सफाई करवाई जाती है और मुलायम मिट्टी बिछवाई जाती है। दड़ा में व्यसन रहित व्यक्तियों को ही भाग लेने दिया जाता है। शौर्य, शक्ति और भक्ति का प्रदर्शन करते हुए युवक दड़े की कड़ियों को पकड़कर इसे अपनी ओर खींचने का प्रयास करते हैं। आयोजन स्थल पर विशाल जन-सैलाब दिखाई देता है। महोत्सव में भाग लेने के लिए आस-पास के गावों और भीलवाड़ा, अजमेर, केकड़ी, टोंक और बूंदी से भी लोग धनोप आते हैं। भीड़ में यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि कौन खिलाड़ी है और कौन दर्शक। खेल दोपहर 1 बजे से शुरू होकर शाम 4 बजे तक कुल तीन घंटों के लिए आयोजित किया जाता है। दड़ा महोत्सव का उद्देश्य आगामी वर्ष में वर्षा की मात्रा, फसलोत्पादन की स्थिति का पूर्वानुमान लगाना होता है।

जसवंत थड़ा

मारवाड़ का ताजमहल

जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग के पास स्थित जसवंत थड़ा स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। सफेद संगमरमर से निर्मित होने से यह ताजमहल के सदृश लगता है। इसे मारवाड़ का ताजमहल भी कहा जाता है। इसका निर्माण जसवंत सिंह द्वितीय के काल में प्रारंभ हुआ और 1906 ईस्वी में सरदार सिंह के शासनकाल में पूरा हुआ। जसवंत थड़ा का मुख्य हॉल मंदिर के समान है जिसमें मारवाड़ के शासकों और पूर्वजों की पूजा की जाती है। मुख्य भवन के पास संगमरमर से निर्मित पांच वर्गाकार छतरियां भी हैं।

अभय सिंह
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

Postal Regd. No. Jaipur City/413/2023-25
Registered with Registrar of Newspapers for India under R. No. 56175/1991

तस्वीर बदलाव की

तब

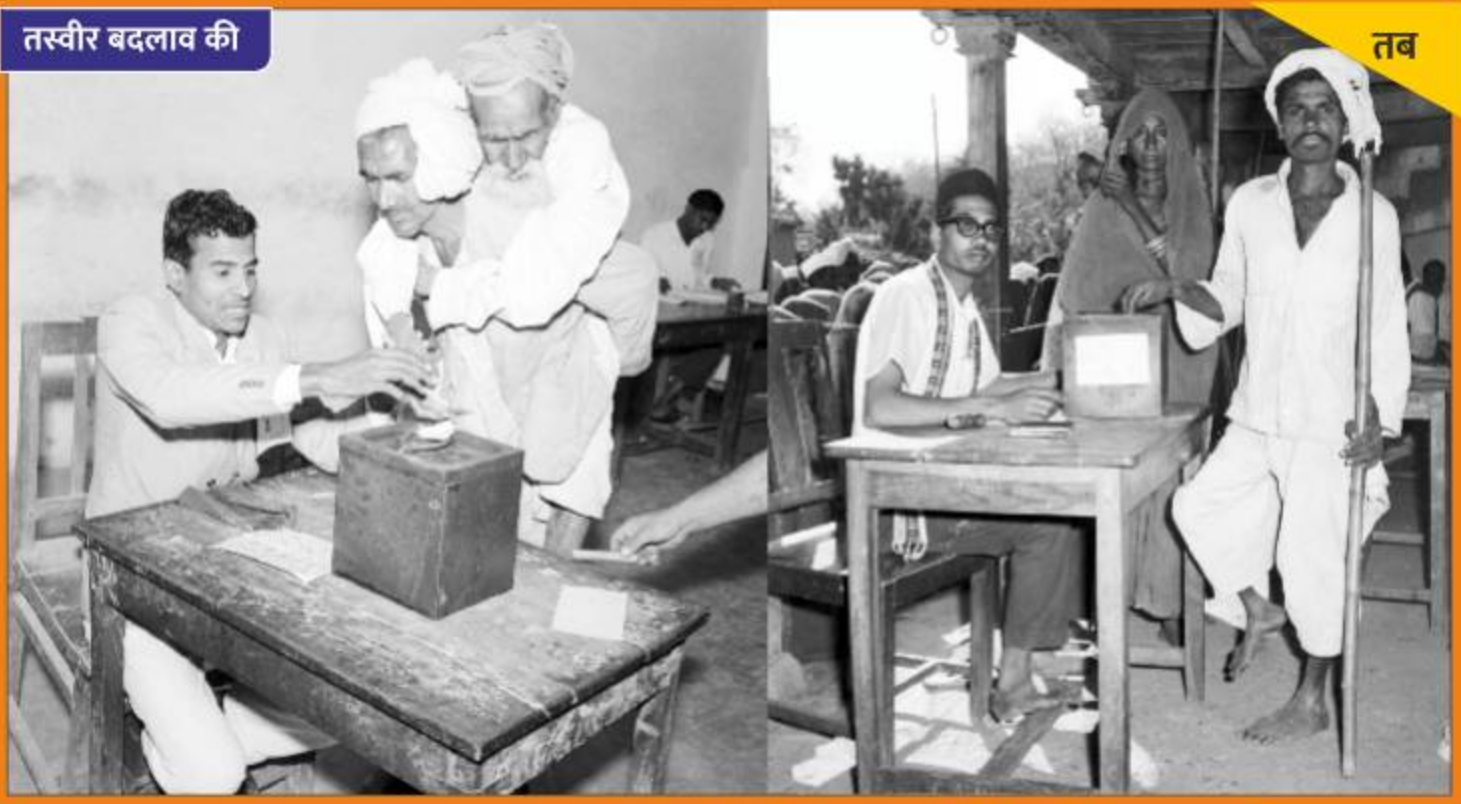

अब

घर से मतदान

राजस्थान सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम और अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी
https://jankalyan.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

@DIPRRajasthan

प्रकाशक व मुद्रक - सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक, पुरुषोत्तम शर्मा द्वारा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के लिए, शासन सचिवालय, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
संपादक - श्रीमती अलका सक्सेना, मैसर्स प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, 12 रामनगर, सोडाला, जयपुर से मुद्रित, 'राजस्थान सुजस'-पृष्ठ संख्या 60, लागत मूल्य 33.30 रुपये • 1,00,000 प्रतियां